

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग ।-खण्ड 1

PART I—Section 1 प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 165]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 19, 2015/ज्येष्ठ 29, 1937

No. 165]

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 19, 2015/JYAISTHA 29, 1937

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 जून, 2015

(अंतिम जांच परिणाम)

विषय : चीन जन. गण. और स्विटजरलैंड के मूल के अथवा वहां से निर्यातित डाइकिटोपाइरोलो पाइरोल पिगमैंट रैड 254 (डीपीपी रेड 254) के आयातों से संबंधित पाटनरोधी शुल्क जाँच ।

- सं. 14/8/2014-डीजीएडी-1.—यतः समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (इसके बाद इसे अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षिति निर्धारण) नियमावली, 1995 (इसके बाद से इसे नियमावली कहा गया है), को ध्यान में रखते हुए मैं. हिऊबैक कलर प्राइवेट लिमिटेड (इसे इसके बाद से "आवेदक" अथवा "याचिकाकर्ता" अथवा "घरेलू उद्योग" कहा गया है) ने चीन जन.गण. और स्विटजरलैंड (इन्हें इसके बाद से संबद्ध देश कहा गया है) के मूल की अथवा वहां से निर्यातित डाइकिटोपायरोलो पाइरोल पिगमैंट रेड 254 (डीपीपी रेड 254) (इसे इसके बाद से संबद्ध वस्तु कहा गया है) के कथित पाटन का आरोप लगाते हुए संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों और इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को हुई क्षिति की पाटनरोधी जांच शुरू की और संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए एक आवेदन दाखिल किया।
- 2. और यत:, प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर, कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने तथा घरेलू उद्योग की क्षिति को दूर करने के लिए, यदि पाटनरोधी शुल्क लगाया जाता है तो उसकी सिफारिश करने के लिए नियमावली के उप-नियम 5(5) के अनुसार, संबद्ध देशों के मूल की या वहां से

2710 GI/2015 (1)

निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के संबंधित आयातों की पाटनरोधी जांच आरंभ करने के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित दिनांक 20 जून, 2014 की एक अधिसूचना सं. 14/8/2014-डी जी ए डी जारी की।

- **क. प्रक्रिया** 3. वर्तमान जांच में प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :-
 - क. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के उप-नियम 5(5) के अनुसार जांच प्रारंभ करने से पूर्व आवेदन प्राप्त होने के बारे में भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को सूचित किया।
 - ख. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के निर्यातों के संबंध में पाटनरोधी जांच आरंभ करने के लिए भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित दिनांक 20 जून, 2014 की एक अधिसूचना जारी की।
 - ग. प्राधिकारी ने सभी ज्ञात निर्यातकों को (जिनका विवरण आवेदक द्वारा उपलब्ध कराया गया था) अधिसूचना की एक प्रति भेजी और उन्हें पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(2) के अनुसार अपने ज्ञात विचारों को लिखित में देने के लिए अवसर प्रदान किया।
 - घ. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तुओं के सभी ज्ञात आयातकों को भी अधिसूचना की एक प्रति भेजी और उन्हें पत्र प्राप्त होने की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने ज्ञात विचारों से लिखित में अवगत कराने की सलाह दी।
 - ड. प्राधिकारी ने ज्ञात निर्यातकों और भारत में चीन जन.गण. और स्विटजरलैंड के दूतावासों को पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार आवेदन के अगोपनीय भाग की एक प्रति उपलब्ध कराई। आवेदन की एक प्रति अन्रोध के आधार पर अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी उपलब्ध कराई गई।
 - च. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार, चीन को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी) प्रश्नावली सहित संबद्ध देशों में निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों और निर्माताओं को संगत सूचना देने के लिए प्रश्नाविलयां भेजी।

चीन जन.गण.	स्विटजरलैंड
सिनिक कैमिकल्स (शंघाई) कंपनी लि., 1730, हिल्लनरोड, किंगपु इंडस्ट्रियल कं. लि., शंघाई,	बी ए एस एफ स्कविज ए जी बी डब्ल्यू यू एल-के-26, पी , क्लाइबैक स्ट्रास-141
201707, चीन जन.गण.	दूरभाष 00800- 33 0000 33
दूरभाष: 86 21 52 40 0178	

- छ. जांच शुरुआत अधिसूचना के प्रत्युत्तर में चीन जन.गण. से केवल एक उत्पादक/निर्यातक, मैसर्स सिनिक कैमिकल्स (शंघाई) कं. लि., चीन जन.गण. ने एमईटी प्रत्युत्तर सिहत प्रश्नावली प्रत्युत्तर दाखिल किया ।
- ज. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगने के लिए भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को प्रश्नावलियां भेजी गई :-

आयातक	पता
निप्पोन पेंट (इंडिया) प्रा.लि.	के आर एम सेंटर, 9वां तल, ईस्ट विंग,
	सं.2, हेरिंगटन रोड, चेटपेट,
	मुख्य कार्यकारी:
	फोन: 044 42982222
	ई-मेल: tu@nipponpaint.co.in

कंसाई नेरोलेक पेंट्स लि.	गणपतराव कदम मार्ग, लोवर पेरोल,
101, भवानी पेट, अंगरशा तारिया पुणे,	मुंबई- 400 013
महाराष्ट्र	दूरभाष: 022- 24 93 4001/ 2499 2500
वोक्सको पिंगमेंट्स एंड कैमिकल्स प्रा.लि.	ए/403, कैंप प्लाजा, माइंड स्पेस ऑफ लिंक रोड, मलाड, वेस्ट मुंबई,
	भारत- 400064
	दूसरा तल (फेडरेशन ऑफ इंडिया से संबद्ध) 6, नेताजी सुभाष रोड,
दि इंडियन पेंट एसोसिएशन	कोलकाता -700001
बर्जर पेंट्स इंडिया लि.	बर्जर हाउस, 129, पार्क स्ट्रीट, कोलकाता-700017

- संबद्ध वस्तुओं के निम्निलिखित आयातकों/प्रयोक्ताओं ने जांच शुरूआत प्रश्नावली प्रत्युत्तरों के रूप में
 उत्तर दिए :-
 - 1. मैसर्स आकजो नोबेल इंडिया लि.
 - 2. मैसर्स एशियन पेंट्स लि.
 - मै. कंसाई नेरोलेक पेंट्स कं. लि.
 - 4. मैसर्स पीपीजी एशियन पेंट्स प्रा.लि.
 - मैसर्स सौजन्य कलर प्रा.लि.
 - मैसर्स वोक्सको पिगमेंट एंड कैमिकल्स प्रा.लि.
- ii. इसके अलावा, इंडियन पेंट एसोसिएशन (आईपीए) ने भी प्रारंभिक अधिसूचना पर अनुरोध दाखिल किए हैं ।
- iii. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा साक्ष्य का अगोपनीय भाग सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया जिसे हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए खुला रखा गया । सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत सामग्री को प्रकटीकरण विवरण में शामिल कर लिया गया है ।
- iv. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के संबंध में गोपनीयता संबंधी दावों की जांच की गई है । जो सूचना गोपनीय प्रकृति की है अथवा हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान की गई है और उसके साथ में उसका अगोपनीय सार प्रस्तुत किया गया है, उसे गोपनीय माना गया है ।
- v. आवेदक और अन्य हितबद्ध पक्षकारों से आवश्यकतानुसार और भी सूचना मांगी गई । घरेलू उद्योग और सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों का जांच के प्रयोजन से आवश्यकतानुसार सीमा तक सत्यापन कराया गया ।
- vi. यह पता लगाने के लिए कि क्या घरेलू उद्योग की क्षिति को दूर करने के लिए पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क पर्याप्त होगा, उत्पादन लागत के आधार पर क्षिति रहित कीमत (इसके बाद से इसे एनआईपी कहा गया है) और सामान्यतः सहमत लेखांकन सिद्धांत (जीएएपी) तथा पाटनरोधी शुल्क नियमावली के अनुबंध-।।। के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तुओं को बनाने व बिक्री करने की लागत का आकलन किया गया है।

- vii. 1 जनवरी, 2013 से 31 दिसंबर, 2013 तक की अवधि (इसके बाद से इसे 'जांच की अवधि' अथवा 'पीओआई' कहा गया है) के लिए जांच की गई थी । क्षिति विश्लेषण के संबंध में जांच प्रवृत्ति में 2010-11, 2011-12 और 2012-13 तथा जांच की अवधि सम्मिलित है ।
- viii. पीओआई सिहत गत तीन वर्षों के संबद्ध वस्तुओं के आयातों के ब्यौरे प्राप्त करने के लिए वाणिज्यिक सूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) से अनुरोध किया गया था । वर्तमान जांच में प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड एस से प्राप्त आयात संबंधी आंकड़ों पर भरोसा किया है ।
- ix. प्राधिकारी ने नियम 6(6) के अनुसार मौखिक सूचना प्रस्तुत करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों को एक अवसर प्रदान करने के लिए दिनांक 28 अप्रैल, 2015 को एक मौखिक सुनवाई की । हितबद्ध पक्षकारों को अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत विचारों/सूचना पर खंडन तर्क/याचिका प्रस्तुत करने की अन्मित दी गई । प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त अन्रोधों पर सम्चित विचार किया है।
- x. जांच के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों, दिए गए तर्कों और विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदान की गई सूचना, जो साक्ष्य के समर्थन में है और जांच प्रस्तुत करने के लिए संगत मानी गई, उन पर प्राधिकारी द्वारा इस अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना में समुचित विचार किया गया है ।
- xi. प्रतिवादी निर्यातक और आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना और आंकड़ों का आवश्यकतानुसार सत्यापन किया गया ।
- xii. जहां किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच के दौरान आवश्यक सूचना जुटाने से मना किया है अथवा उसे अन्यथा उपलबध नहीं कराया है अथवा जांच में अधिक बाधा उत्पन्न की है, वहां प्राधिकारी ने ऐसे पक्षकारों को असहयोगी माना है और ''उपलबध तथ्यों'' के आधार पर अंतिम जांच परिणाम को दर्ज किया है।
- xiii. हितबद्ध पक्षकारों को दिनांक 11.06.2015 को इस जांच में आवश्यक तथ्यों सहित एक प्रकटीकरण विवरण जारी किया गया था, जिसके आधार पर अंतिम जांच परिणाम तैयार किए गए । हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटीकरण विवरण के बाद किए गए अनुरोधों पर विचार किया गया है और इस अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना में जितना संगत समझा गया, शामिल किया गया ।
- xiv. *****चिन्ह इस अंतिम जांच परिणाम में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना को दर्शाता है और प्राधिकारी ने नियमों के तहत उसे गोपनीय ही माना है ।
- xv. जांच अविध के लिए यू एस डालर से रुपए में परिवर्तन के लिए विनिमय दर सीमाशुल्क द्वारा प्रकाशित विनिमय दर के अनुसार 59.36 रुपए है।

ख. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्त्

- 4. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद ''डाइिकटोपाइरोलो पाइरोल पिगमेंट रेड 254'' (इसके बाद से इसे ''डीपीपी रेड 254'' अथवा संबद्ध वस्तु अथवा संबद्ध उत्पाद '' कहा गया है) है । डीपीपी रेड 254 एक अत्यंत ही गहरा मध्यम शेड का लाल रंग का पिगमेंट (रंजक) है, जो शीघ्र उड़ जाता है, तीव्रता से विलय हो जाता है और प्रकाश व मौसम में पक्का रहता है। पिगमेंट, सिंथेटिक आर्गेनिक रंगों के होते हैं, जो यू पूरी उपयोग प्रक्रिया के दौरान अपना क्रिस्टलीय अथवा विविक्त रूप बनाए रखते हैं । डीपीपी रेड 254 चमकीले शेड वाला, पक्के रंग वाला, अपारदर्शी और गहरा पदार्थ होता है । डीपीपी रेड 254 का रासायनिक नाम 3,6-बिस (4-क्लोरोफिनाइल)-2, 5- डाइहाइड्रो पाइरोलो (3,4 -सी) पाइरोल, 1,4,डाइओन है । डीपीपी 254 का मोलिक्यूलर फार्मूला C18H10Cl2N2O2 है । डीपीपी रेड 254 का कलर इंडेक्स नं. 56110 है और कैमिकल एब्सट्रक्ट नं. 84632-65-5 है ।
- 5. डीपीपी रेड 254 को कई अलग-अलग शेड और विविधता से बनाया जा सकता है । डीपीपीरेड 254 की समस्त विविधता और शेड विचाराधीन उत्पाद के उपयोग क्षेत्र के भीतर होती है । इसे अपरिष्कृत या परिष्कृत रूप में बेचा जा

सकता है । उत्पाद के उपयोग क्षेत्र में किसी भी रूप में अपरिष्कृत रंजक (पिगमेंट) शामिल है । उदाहरणार्थ प्रोस केक, ड्राई कलर, पिगमेंट ब्लैंड, पिगमेंट डिपर्सव ।

- 6. डीपीपी रेड-254 जलवाही पेंट, हवा में सूखने वाले अल्काइड, गर्म किए जाने वाले इनेमैल, एसिड क्योरिंग सिस्टम, एमाइन क्योरिंग इपोक्सीज, आइसोसाइनेट क्योर सिस्टम, पावर कोटिंग इत्यादि में बेहतर निष्पादनकारी पिगमेंट के रूप में व्यापक रूप से प्रयोग में लाया जाता है । डीपीपी रेड 254 का प्रयोग ऑटोमोटिव और औद्योगिक पेंट के कार्य में भी किया जाता है । इसका उपयोग मैटेलिक प्रभाव वाली परिसज्जा (फिनिश) लेने के लिए तथा नई गहरी मैटेलिक शेड बनाने के लिए किया जाता है । इसका प्रयोग प्लास्टिक खासकर पोलियोलेफिन, पीवीसी तथा पीएस में किया जाता है जहां ये अपने पूर्ण गुणधर्म और उत्कृष्ट विशेषताओं को प्रकट करते हैं । अन्य प्रयोगों में ट्रांसपोर्टेशन क्रेट, कैप, ब्लो मोल्डेड कंटेर तथा फिल्म इत्यादि शामिल हैं । डीपीपी रेड 254 का प्रयोग इंजेक्शन मोल्डेड एचडीपीई के लिए कार्य-फ्री फार्मुलेशन बनाने में भी किया जाता है ।
- 7. संबद्ध वस्तुओं को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 32 में टैरिफ मद 32041739 के तहत वर्गीकृत किया गया है । डीपीपी रेड को अन्य उपशीर्षों जैसे 32041111, 32041630, 32041711, 32041719, 32041720, 32041790, 32041973, 32041984, 32049000, 32061110, और 32064990 के तहत भी आयात किया जा रहा है । तथापि, सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और यह इस जांच के क्षेत्राधिकार पर किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

8. समान वस्त्ओं के संबंध में पाटनरोधी नियमों के नियम 2(घ) में यह प्रावधान है :-

"समान वस्तु" से ऐसी वस्तु अभिप्रेत है जो भारत में पाटने के कारण जांच के अंतर्गत वस्तु के सभी प्रकार से समरुप या समान है अथवा ऐसी वस्तु के न होने पर अन्य वस्तु जोकि यद्यपि सभी प्रकार से समनुरुप नहीं है परंतु जांचाधीन वस्तुओं के अत्यधिक सदृश विशेषताएं रखती हैं;

- 9. निर्यातकों द्वारा भारतीय बाजार में बिक्री किए गए उत्पाद और घरेलू उद्योग द्वारा बिक्री किए गए उत्पाद के बीच संभव अंतर के संबंध में प्राधिकारी उल्लेख करते हैं कि निर्यातकों द्वारा यह विवाद नहीं किया गया कि दोनों उत्पादों के बीच कोई अंतर है । दर्ज सूचना पर विचार करने के बाद प्राधिकारी का मानना है कि संबद्ध देशों से निर्यातित विचाराधीन उत्पाद और भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद में कोई ज्ञात अंतर नहीं है । घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद विशेषताओं के मामले में जैसे भौतिक व रासायनिक विशेषताएं, कार्य और उसके उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं का शुल्क वर्गीकरण के संदर्भ में निर्यातित संबद्ध उत्पाद से तुलनीय हैं । ये दोनों ही तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं । ग्राहक दोनों को ही बदल-बदल कर प्रयोग में ला रहे हैं।
- 10. वर्तमान जांच में प्रतिवादियों द्वारा विचाराधीन उत्पाद के संबंध में भी कोई मामला नहीं उठाया था । अतः प्राधिकारी यह मानकर प्रस्ताव करते हैं कि आवेदक घरेलू उद्योग द्वारा अत्यधिक विचाराधीन उत्पाद पाटनरोधी नियमावली के अनुसार विचाराधीन संबद्ध उत्पाद की समान वस्तु है ।

ग. घरेलू उद्योग और उसके आधार का क्षेत्र

आवेदन मैसर्स हिऊबैक कलर प्रा.िल., जो एक 100 प्रतिशत ईओयू है, द्वारा दाखिल किया गया था । आवेदक का कहना है कि यह भारत में संबद्ध वस्तु का एकमात्र निर्माता है ।

हितबद्ध प्रतिरोधी पक्षकारों के विचार

- 11. हितबद्ध पक्षकारों ने अन्य बातों के साथ-साथ यह कहा :-
- (क) याचिकाकर्ता एक 100 प्रतिशत ईओयू है, इसलिए पाटनरोधी नियमावली केनियम 2(ख) और 5(3) के तहत घरेलू उद्योग के लिए पात्र नहीं है ।

- (ख) एक ईओयू को विदेश व्यापार नीति के तहत अनेक लाभ मिलते हैं ।
- (ग) यदि याचिकाकर्ता को घरेलू उद्योग माना जाता है तो इसे घरेलू प्रशुल्क क्षेत्र (इसके बाद इसे ''डीटीए'' कहा गया है) में बिक्री के लिए याचिकाकर्ता की पात्रता की सीमा तक केवल घरेलू उद्योग ही माना जाना चाहिए ।
- (घ) इसके अलावा, वीरलोन टैक्सटाइल मिल्स लि. बनाम केन्द्रीय उत्पाद आयुक्त, मुंबई, 2007 (211) ईएलटी 353 (एससी) मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के संदर्भ का हवाला देते हुए यह उल्लेख किया गया कि विदेशी विनिमय के खिलाफ डीटीए बिक्री को वास्तविक निर्यातों के रूप में माना गया है।
- (ङ) ईओयू अपने उत्पादों की बिक्री केवल सकारात्मक एनएफई प्राप्त करके ही कर सकता है और रियायती शुल्कों का भुगतान करने पर डीटीए में निर्यातों के एफओबी मूल्य के केवल 50 प्रतिशत की ही बिक्री की जा सकती है।
- (च) एक ईओयू को पाटनरोधी शुल्क लगाने से छूट प्राप्त है, जो केन्द्र सरकार द्वारा इनपुट/पूंजीगत वस्तुओं पर लगाया जा सकता है । किसी ईओयू को डीटीए द्वारा दी गई स्वीकृतियों को भी शुल्क की अदायगी से छूट प्राप्त है और "माना गया निर्यात" है ।
- (छ) एक ईओयू को अपनी वस्तुओं के निर्यात पर ही मुख्यत: ध्यान केन्द्रित करना होता है और ऐसी स्थिति में ईओयू का ध्यान घरेलू बाजार पर केन्द्रित नहीं होता और इसीलिए यह नहीं कहा जा सकता कि ईओयू द्वारा उत्पादित वस्तुएं निर्यातित उत्पादों से प्रतिस्पर्धा कर रही हैं ।
- (ज) संबद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क लगाना उस उद्देश्य के प्रतिकूल होगा, जिसके लिए ईओयू की स्थापना की गई है ।
- (झ) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने चीन जन.गण. से सेफ्ट्रिएक्सोन डाइसोडियम हेमिहिप्टाहाइड्रेट-स्टराइल में एक 100 प्रतिशत ईओयू को घरेलू उद्योग नहीं माना था ।
- (ञ) चूंिक ई ओ यू द्वारा उत्पादित वस्तुएं आयातित उत्पादों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर रही हैं इसिलए ई ओ यू इकाइयों को पाटनरोधी श्ल्क का संरक्षण प्रदान किए जाने का कोई औचित्य नहीं है ।

घरेलू उद्योग के विचार

- 12. घरेलू उद्योग का यह कहना है कि :-
 - (क) एक 100 प्रतिशत ईओयू होने के नाते वह उद्योग अनेक लाभ प्राप्त करता है । यहां तक इस बात को स्वीकार किए बिना यह मानते हुए कि याचिकाकर्ता को 100 प्रतिशत ई ओ यू का दर्ज होने के कारण वह कोई लाभ प्राप्त करता है, याचिकाकर्ता के आंकड़े यह दर्शाते हैं कि वह पाटित आयातों की कीमतों का सामना करने में असमर्थ है और एक 100 प्रतिशत ई ओ यू होने के नाते उसे प्राप्त हो रहे कथित लाभ के बावजूद उसे सामग्री की क्षति हो रही है ।
 - (ख) अग्रिम अनुमोदन योजना के तहत सामान्य डीटीए इकाइयों को सीमाशुल्क का भुगतान किए बिना कच्चा माल प्राप्त करने का लाभ (याचिकाकर्ता को 100 प्रतिशत ईओयू होने के रूप में उपलब्ध) भी उपलब्ध है।
 - (ग) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अनेक जांचों में अपने अंतिम जांच परिणाम में यह पाया कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) और 5(3) के तहत ईओयू घरेलू उदयोग होने का पात्र है। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने

पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) और 5(3) के तहत निम्नलिखित मामलों में एक ईओयू को घरेलू उद्योग माना है :-

- (i) मलेशिया, चीन जन.गण., चीनी ताइपेई तथा संयुक्त राज्य अमेरिका से सोलर सेल, अंतिम जांच परिणाम दिनांक 22 मई, 2014 की अधिसूचना सं. 14/5/2012-डीजीएडी के तहत अधिसूचित ।
- (ii) चीन जन.गण. और स्विटजरलैंड से विटामिन-ए पिल्मटेट, निर्णायक समीक्षा अंतिम जांच परिणाम दिनांक 21 अगस्त, 2013 की अधिसूचना सं. 15/07/2011-डी जी ए डी के तहत अधिसूचित ।
- (iii) चीन जन.गण., कोरिया गण. तथा थाइलैंड से अलॉय रोड व्हील्स, अंतिम जांच परिणाम दिनांक 9 जून, 2014 की अधिसूचना सं. 14/7/2012-डी जी ए डी के तहत अधिसूचित ।
- (iv) ओमान, सऊदी अरब तथा सिंगापुर से पोलीप्रोपाइलेन अंतिम जांच परिणाम दिनांक 23 अगस्त, 2010 की अधिसूचना सं. 14/5/2009-डी जी ए डी के तहत अधिसूचित ।
- (v) चीन जन.गण., हांगकांग, सिंगापुर तथा चीनी ताइपेई से कंपैक्ट डिस्क-रिकॉर्डेबल (सीडी-आर) दिनांक 2 अप्रैल, 2007 की अधिसूचना सं. 14/15/2005-डी जी ए डी के तहत अधिसूचित ।
- (vi) चीन जन.गण., हांगकांग तथा चीनी ताइपेई से डिजीटल वर्सेटाइल डिस्क-रिकार्डेबल (डीवीडी-आर और डीवीडी-आर डब्ल्यू) दिनांक 19 नवंबर, 2008 की अधिसूचना सं. 14/17/2007-डी जी ए डी के तहत अधिसूचित ।
- (vii) ईरान, मलेशिया, कोरिया गण., थाइलैंड, संयुक्त अरब अमीरात तथा वियतनाम से कंपैक्ट डिस्क-रिकार्डेबल (सीडी-आर), दिनांक 6 मार्च, 2009 की अधिसूचना सं. 14/9/2007 के तहत अधिसूचित ।
- (घ) उपरोक्त अंतिम जांच परिणामों में यह उल्लेख है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) और 5(3) के तहत पहले भी ई ओ यू को घरेलू उद्योग के रूप में पात्र स्वीकार कर लिया था।
- (ङ) विदेश व्यापार नीति के प्रावधानों के तहत कोई ईओयू रियायती शुल्कों का भुगतान करने पर डीटीए में अपने निर्यातों के एफओबी मूल्यों के 50 प्रतिशत तक की बिक्री कर सकता है । वह डीटीए में अपने उत्पादन की 50 प्रतिशत की सीमा से अधिक की भी बिक्री कर सकता है लेकिन ऐसी बिक्री पूरे सीमाशुल्क का भुगतान करने के अध्यधीन होगी, बशर्ते कि ई ओ यू ने सकारात्मक एन एफ ई प्राप्त कर लिया हो ।
- (च) ई ओ यू योजना में यह प्रावधान है कि घरेलू और विदेशी ग्राहकों के लिए एक प्रतिस्पर्धी कदम बेहतर है, बशर्ते कि उनमें उचित बाजार स्थिति मौजूद हो । अतः ई ओ यू को पाटनरोधी नियमावली के तहत घरेलू उद्योग के कार्य क्षेत्र से बाहर नहीं माना जा सकता । वे पूर्णतया भारत के उद्योग हैं ।
- (छ) किसी ई ओ यू के लिए एन एफ ई की गणना उत्पाद-वार नहीं की जाती । एन एफ ई की गणना अनुमति पत्र (एलओपी)-वार की जाती है ।
- (ज) चीन जन.गण. तथा स्विटजरलैंड से विटामिन-ए पिल्सिटेट के आयातों से संबंधित निर्णायक समीक्षा में (अंतिम जांच परिणाम दिनांक 21 अगस्त, 2013 की अधिसूचना सं. 15/7/2011-डी जी ए डी के तहत अधिसूचित) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने एकमात्र याचिकाकर्ता माना था, जो पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) तथा 5(3) के तहत घरेलू उद्योग के रूप में एक 100 प्रतिशत ईओयू था।

(झ) चीन जन.गण. से सेफ्ट्राइएक्जोन डाइसोडियम हैमीहैप्टाहाइड्रेट-स्टराइल में आर्किड कैमिकल्स ने उपरोक्त मामले में पाटनरोधी जांच आरंभ करने के लिए कभी भी आवेदन दाखिल नहीं किया और न ही पूरी जांच के दौरान कभी भाग लिया । इसके अलावा, जांच के दौरान जब निर्दिष्ट प्राधिकारी ने आर्किड कैमिकल्स से सूचना मांगी तो यह पाया गया कि आर्किड कैमिकल्स की घरेलू बाजार में बिक्री नहीं थी । अत: यह स्पष्ट है कि किसी संस्था, जिसने न तो निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष आवेदन दाखिल किया और न ही जांच में भाग लिया तथा घरेलू बिक्री भी नहीं है तो पाटनरोधी नियमावली के तहत घरेलू उद्योग के रूप में विचार नहीं किया जाएगा । अत: याचिकाकर्ता का यह कहना है कि प्रतिवादी निर्दिष्ट प्राधिकारी को केवल भ्रमित करने के लिए सेफ्ट्राइएक्जोन डाइसोडियम के मामले पर भरोसा कर रहा है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- 13. घरेलू उद्योग के कार्यक्षेत्र और उसके आधार के बारे में वर्तमान जांच के दौरान हितबद्ध किए गए विभिन्न अन्रोधों और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए अन्रोधों की जांच की गई और जो इस प्रकार है :
 - a. हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध के संबंध में कि याचिकाकर्ता एक 100 प्रतिशत ई ओ यू है, इसलिए उसे घरेलू उद्योग नहीं माना जा सकता, प्राधिकारी यह उल्लेख करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग को इस प्रकार से परिभाषित किया गया है।
 - (ख) घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से हैं जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में "घरेलू उद्योग" का भाग नहीं माना जाएगा ।
 - b. उपर्युक्त नियम के अनुसार घरेलू उद्योग के दायरे से ई ओ यू को स्पष्ट तौर पर बाहर करने का उल्लेख नहीं है ।
 - c. जहां तक 100 प्रतिशत ई ओ यू इकाइयों की पात्रता और डीटीए में बिक्री का संबंध है, प्राधिकारी यह उल्लेख करते हैं कि विदेश व्यापार नीति, 2009-14 के पैरा 6.8 (क) और (ज) में संगत प्रावधानों को इस प्रकार विनिर्दिष्ट किया गया है :
 - 6.8 ईओयू/ ईएचटीपी/ एसटीपी/ बीटीपी इकाइयों के समग्र उत्पादन का निम्नलिखित के अध्यधीन निर्यात किया जाएगा:-
 - (क) रत्नों व आभूषणों की इकाइयों के अलावा, अन्य इकाइयां रियायती शुल्कों का भुगतान किए जाने पर निर्यातों के एफओबी मूल्यों के 50 प्रतिशत तक वस्तुओं की बिक्री कर सकती है, परंतु सकारात्मक एनएफई की पूर्ति होनी चाहिए । वह इकाई डीटीए की बिक्री पात्रता के अंदर इकाइयों से निर्यातित या निर्यात की संभावना वाली वस्तुओं के समान उत्पादों की डीटीए में बिक्री कर सकती है । तथापि, जो इकाइयां एक से अधिक उत्पाद का निर्माण और निर्यात कर रही हैं, वे इनमें से कोई भी उत्पाद, उत्पाद विशेष के निर्यात के एफओबी मूल्य के 90 प्रतिशत तक डीटीए में बेच सकती हैं, परंतु शर्त यह होगी कि कुल डीटीए बिक्री उपरोक्तानुसार इकाइयों के लिए निर्यातों के एफओबी मूल्य के 50 प्रतिशत की समग्र पात्रता से अधिक नहीं होनी चाहिए । मोटर कारों, शराब, पुस्तकों, चाय (इंस्टांट टी को छोड़कर), काली मिर्च और काली मिर्च उत्पादों, संगमरमर और समय-समय पर अधिसूचित ऐसी अन्य मदों के संबंध में रियायती शुल्कों पर कोई डीटीए बिक्री नहीं की जाएगी । ऐसी डीटीए बिक्री की अनुमित उन इकाइयों के लिए भी नहीं होगी जो पैकेजिंग/ लेबिलिंग/ पृथक्करण/ रेफ्रीजरेशन/ कंपैक्टिंग/ माइक्रोनाइजेशन/ पुलवराइजेशन/ ग्रेनुलेशन/ मानोहाइड्रेट किस्म के रसायन के एनहाइड्रस के रूप में परिवर्तन अथवा विपरीत परिवर्तन करने के कार्य में लगी हुई हैं । एसईजैड में किसी इकाई को की गई बिक्री को ईओयू द्वारा

निर्यात का एफओबी मूल्य पर निकालने के प्रयोजन के लिए शामिल किया जाएगा, बशर्ते कि एसईजैड इकाई के विदेशी विनिमय खाते से ऐसी बिक्री के लिए भुगतान किया गया हो । डीटीए को बिक्री फार्मास्यूटिकल उत्पादों (भारी मात्रा में दवाइयों सिहत) के पंजीकरण की अनिवार्य अपेक्षा के अध्यधीन डीटीए को बिक्री होगी । इकाई से डीटीए में स्वीकृत पुस्तकों के निर्माण या प्रसंस्करण के प्रयोजन के लिए प्रयुक्त वस्तुओं पर आयात के समय सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9क के तहत वसूली जाने वाली पाटनरोधी शुल्क के समान राशि का भृगतान किया जाएगा ।''

- ''(ज) ईओयू/ ईएचटीपी/ एसटीपी/ टीपी इकाइयां काली मिर्च और काली मिर्च के उत्पादों और संगमरमर के अलावा ऐसे परिष्कृत उत्पादों की बिक्री करती है जो पूर्ण शुल्कों का भुगतान करने पर डीसी को सूचित करते हुए डीटीए में एफटीपी के तहत आसानी से आयात किए जा सकते हैं, बशर्ते कि उन्होंने सकारात्मक एनएफई की प्राप्ति कर ली हो । इकाई से डीटीए में स्वीकृत वस्तुओं के निर्माण या प्रसंस्करण के प्रयोजन के लिए प्रयुक्त वस्तुओं पर आयात के समय सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9क के तहत वसूली जाने वाली पाटनरोधी शुल्क के समान राशि का भुगतान किया जाएगा।''
- d. विदेश व्यापार नीति के उक्त प्रावधान यह दर्शाते हैं कि ईओयू को डीटीए में बिक्री से वंचित नहीं किया गया है और पैरा 6.8 (क) के तहत योजना में यह कहा गया है कि ईओयू इकाइयां रियायती शुल्क दरों पर निर्यात की एफओबी कीमत के 50 प्रतिशत तक की वस्तुओं की बिक्री कर सकती है । तथापि, योजना के पैरा 6.8 (ज) पर दिए गए प्रावधानों के अनुसार पूर्ण शुल्कों का भुगतान किए जाने पर ईओयू से डीटीए को आपूर्ति पर ऐसी कोई सीमा नहीं है । उपर्युक्त दोनों ही परिदृश्य में योजना के एक सकारात्मक एनएफई स्थिति को बनाए रखने के लिए 100 प्रतिशत ईओयू इकाइयों की बाध्यता है जिसकी गणना पंचवर्षीय ब्लॉक में की जाती है, जो इकाई के अनुरोधों के आधार पर बढ़ाई भी जा सकती है ।
- e. प्राधिकारी यह भी उल्लेख करते हैं कि ई ओ यू से संबंधित कुछेक पूर्व मामलों में प्राधिकारी ने उन्हें भारत की विदेश व्यापार नीति के तहत अनुमत्त उनकी पात्रता सीमा के भीतर अपनी घरेलू बिक्री की सीमा तक घरेलू उदयोग का दर्जा प्रदान किया है ।
- 14. सत्यापन दौरे के दौरान याचिकाकर्ता द्वारा यह कहा गया था कि एनएफई की मांग एकल एलओपी के लिए है, जिसके अनेक उत्पाद हो सकते हैं, इसलिए यदि याचिकाकर्ता संबंधित उत्पाद के लिए अपनी कच्चे माल की मांग का 100 प्रतिशत आयात करता है और डीटीए में संबद्ध वस्तुओं की समग्र उत्पादन मात्रा की बिक्री करता है तो यह संबंधित एलओपी के लिए अभी भी सकारात्मक एनएफई प्राप्त कर लेगा।
- 15. उपर्युक्त को देखते हुए और विधिवत जांच करने के बाद प्राधिकारी यह प्रस्ताव करता है कि आवेदक पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) और नियम 5(3) की अपेक्षाओं को पूरा करता है और नियम 2(ख) के तात्पर्य से घरेलू उद्योग होता है।

घ. <u>गोपनीयता</u>

निर्यातक द्वारा किए गए अनुरोध

16. निर्यातक ने व्यापार आंकड़ों और उनके कारोबारी उद्यम की संरचना के ब्यौरे के बारे में गोपनीयता का दावा किया है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अन्रोध

17 घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अन्रोध किए गए हैं :-

- क. निर्यातक (सीआईएनआईसी) ने अनेक प्रकार के आंकड़ों की गोपनीयता का दावा किया है, जो न तो कारोबार की दृष्टि से संवेदनशील हैं और न ही, यदि यह सूचना प्रकट हो जाती है तो ये इस पर कोई प्रतिकूल प्रभाव डालने में सक्षम हैं।
- ख. निर्यातक निर्यातक प्रश्नावली के प्रत्युत्तर के प्रश्न क(1) के उत्तर में यह दावा करता है कि यह हांगकांग की सिनिक होल्डिंग लिमिटेड की एक 100 प्रतिशत सहायक कंपनी है। तथापि, हांगकांग में इस होल्डिंग कंपनी की स्वामित्व संरचना को गोपनीय रखा गया है। निर्यातक का एमईटी प्रत्युत्तर अपूर्ण है क्योंकि कंपनी से संबद्ध व्यक्तियों और उनका कार्यात्मक संरचनात्मक विवरण नहीं दिया गया है। यहां तक निदेशक मंडल, शेयरधारकों के नाम और उनके कार्यों को गुप्त रखा गया है। यह स्पष्ट नहीं है कि कंपनी के निदेशकों के नाम गोपनीय रखने का भी दावा वैसे किया जा सकता है।
- ग. निर्यातक ने, निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर के अगोपनीय भाग में भरे गए सभी परिशिष्टों पर इतनी गोपनीयता का दावा किया है कि यहां तक कि सभी परिशिष्टों में शीर्षकों के नाम भी प्रदान नहीं किए गए हैं । याचिकाकर्ता यह जान पाने में असमर्थ हैं कि निर्यातक ने भारत में अपने निर्यात कारोबार में कितनी कटौती का दावा किया है ।
- घ. निर्यातक कच्चे माल के आपूर्तिकर्ताओं के नाम प्रकट करने में असफल रहा है कि क्या कच्चे माल के आपूर्तिकर्ता निर्यातक से संबंधित हैं, क्या निर्यातक बाजार की कीमत पर कच्चा माल खरीद रहा है । इसके अलावा, निर्यातक यह प्रकट करने में असफल रहा है कि क्या कच्चा माल राज्य के स्वामित्व का है या एक निजी संस्था का है । यहां तक कि कच्चे माल के प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं, सेवा इकाइयों के अपूर्तिकर्ताओं, उप-संविदाकारों, ऋण प्रदाताओं, वितरकों तथा पुन: बिक्री करने वालों के नाम गोपनीय रखे गए हैं । यह सूचना प्रकट किए बिना याचिकाकर्ता के लिए यह असंभव है कि वह निर्यातक के एमईटी दावों की वास्तविकता पर सार्थक टिप्पणियां दें ।

प्रधिकारी दवारा की गई जांच

- 18. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीयता के संबंध में वर्तमान जांच के दौरान विभिन्न अनुरोध किए गए और प्राधिकारी द्वारा जिन्हें संगत समझा गया, उनकी जांच की गई और पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 के अनुसार विचार किया गया।
- 19. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर उपलब्ध कराई गई सूचना की गोपनीयता दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई । संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने गोपनीयता दावों को जहां उचित लगा स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना है तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं किया । जहां कहीं संभव हुआ, गोपनीयता आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकारों को गोपनीयता आधार पर दाखिल की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण प्रस्तुत करने का निदेश दिया । प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों का अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया ।
- ड. पाटन का आकलन-कार्य प्रणाली और मानदंड

सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

सामान्य मूल्य

- 20. धारा 9 क (1)(ग) के अधीन, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है:
 - i. व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अन्सार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा

ii. जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:-

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो ; अथवा

(ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेत् उचित वृद्धि के साथ उदगम वाले देश में उक्त वस्त् की उत्पादन लागत ;

परंतु यह कि उदगम वाले देश से इतर किसी देश से वस्तु के आयात के मामले में अथवा जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश के जरिए मात्र यानांतरित किया गया है अथवा जहां ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यातक के देश में नहीं किया जाता है, निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उदगम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों के संबंध में उपबंध

- 21. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-। में निम्नानुसार उल्लेख है :-
- 7. गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के मामले में, उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए भारत में समान उत्पादन के लिए वास्तविक रूप से भुगतान किया गया अथवा भुगतान योग्य, आवश्यकतानुसार पूर्णतया समायोजित कीमत सिहत, सामान्य, मूल्य का निर्धारण तीसरे देश के बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत अथवा परिकलित मूल्य के आधार पर अथवा भारत सिहत ऐसे किसी तीसरे देश से अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव नहीं है, या किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा । संबद्ध देश के विकास के स्तर तथा संबद्ध उत्पाद को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यथोचित पद्धित के जिरए एक समुचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का चयन किया जाएगा और चयन के समय पर उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना पर यथोचित रूप से विचार किया जाएगा । बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी अन्य तीसरे देश के संबंध में किसी समयनुरूपी मामले में की जाने वाली जांच के मामले में जहां उचित हो, समय सीमा के भीतर कार्रवाई की जाएगी । जांच से संबंधित पक्षकारों को किसी अनुचित विलंब के बिना बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के चयन के विषय में सूचित किया जाएगा और अपनी टिप्पणियां देने के लिए एक समुचित समयाविध प्रदान की जाएगी ।
- 8. (1) ''गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश' वाक्यांश का अर्थ कि देश जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी लागत अथवा कीमत ढांचे के बाजार सिद्धांतों का लागू नहीं करने वाले के रूप में मानते हैं जिसके कारण ऐसे देश में पण्य वस्तुओं की बिक्रियां उप पैराग्राफ (3) में निर्दिष्ट मानदंडों के अनुसार वस्तुओं के सही मूल्य को नहीं दर्शाती है ।''
- (2) यह कहना पूर्वानुमान लगाना होगा कि कोई देश जिसे जांच के पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा डब्ल्यू.टी.ओ. के किसी सदस्य के समक्ष प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश निधारित अथवा माना गया है, एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है ।

तथापि, गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश या ऐसे देश से संबंधित फर्म निर्दिष्ट-प्राधिकारी को सूचना तथा साक्ष्य उपलब्ध कराकर इस परिकल्पना को समाप्त कर सकते हैं जो यह साबित करता हो कि ऐसा देश उप पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है।

- (3) निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रत्येक मामले में निम्नलिखित मानदंड पर विचार करेंगे कि क्या :-
 - (क) ऐसे देश में कच्ची सामग्रियों प्रौद्योगिकी लागत और श्रम, उत्पादन, बिक्रियों तथा निवेश सिहत कीमतों, लागतों तथा निवेशों के संबंध में संबंधित फर्म का निर्णयआपूर्ति तथा मांगको दर्शाने वाले बाजार संकेतों

तथा इस संबंध में किसी विशिष्ट राज्य के हस्तक्षेप के बिना होता है और यह कि क्या मुख्य निवेशों की लागतें वास्तवित रूप से बाजार मूल्यों को दर्शाती हैं;

- (ख) ऐसे फर्मों की उत्पादन लागतों तथा वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से उठाये गये विशिष्ट विरूपणों के अधीन होती है । खासकर ऋणों की प्रतिपूर्ति द्वारा परिसंपत्तियों के ह्रास, अन्य बहे खाते वस्तु विनियम व्यापार तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए तथा भुगतान के संबंध में;
- (ग) ऐसी फर्म दिवालिया तथा संपत्ति कानून के अधीन होती है जो कि फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता तथा स्थायित्व की गारंटी देता है:-
- (घ) विनिमय दर के परिवर्तन बाजार दर पर किये जाते हैं :-

तथापि, जहां इस पैराग्राफ में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर लिखित रूप में पर्याप्त साक्ष्य दर्शाया जाता है कि पाटनरोधी जांच के अधीन एक अथवा ऐसे अधिक फर्मों के लिए बाजार स्थितियां लागू होती हैं । निर्दिष्ट प्राधिकारी पैरा 7 तथा इस पैरा में निर्दिष्ट सिद्धांतों के पैरा 1 से 6 में निर्दिष्ट सिद्धांतों को लागू कर सकते हैं ।

चीन जन.गण. के लिए सामान्य मुल्य

घरेलू उद्योग के विचार

- 22. सामान्य मूल्य के संबंध में आवेदकों द्वारा निम्नलिखित अन्रोध किए गए हैं :-
 - क. प्राधिकारी द्वारा पूर्व मामलों में और अन्य देशों में जांच अधिकारियों द्वारा दर्शायी गई स्थिति के अनुसार चीन को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में माना जाए। घरेलू मूल्य निर्धारित करने के लिए चीन के उत्पादकों की लागत और कीमत पर भरोसा नहीं किया जा सकता।
 - ख. जब तक निम्नलिखित शर्तें पूरी न हों, बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता:
 - i. बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा उस स्थिति में प्रदान नहीं किया जा सकता, जिसमें प्रमुख शेयरधारकों में से एक शेयरधारक राज्य की स्वामित्व /नियंत्रण वाली संस्था है।
 - ii. बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि चीन के प्रतिवादी निर्यातक यह सिद्ध नहीं करते हैं कि प्रमुख निविष्टियों की कीमतों में बाजार मूल्यों का पर्याप्त प्रदर्शन होता है।
 - iii. बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि प्रतिवादी निर्यातक यह सिद्ध नहीं करता है कि उनकी बहियों की लेखा परीक्षा अंतर्राष्ट्रीय लेखा मानकों के अनुरूप की जाती है।
 - iv. बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा उस स्थिति में प्रदान नहीं किया जा सकता यदि एक भी मापदंड की पूर्ति होती है ।
 - v. बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे को सिद्ध करने की जिम्मेदारी/दायित्व प्रतिवादी चीनी निर्यातकों की है न कि निर्दिष्ट प्राधिकारी की ।
 - vi. बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक प्रतिवादी कंपनी और उसका समूह समग्र रूप में इसका दावा नहीं करते हैं ।

ऐसी स्थिति जिसमें वर्तमान शेयरधारकों ने स्वयं उत्पादन सुविधाएं स्थापित नहीं की हैं, परंतु किसी अन्य पक्षकार ने इन्हें अर्जित किया है, बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि रूपांतरण की प्रक्रिया पूर्णतः पृष्टि दस्तावेजी साक्ष्य के लिए नहीं की जाती है ।

- ग. याचिकाकर्ता ने संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की निर्मित लागत के आधार पर संबद्ध वस्तुओं का सामान्य मूल्य निर्धरित किया है ।
- घ. एमईटी दावे पूरे सिनिक समूह द्वारा दायर किए जाने चाहिए। समूह की केवल एक कंपनी द्वारा एमईटी दावे दाखिल करके निर्यातक बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा करने का पात्र नहीं होगा। निर्यातक ने यह सिद्ध करने के लिए कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है कि खरीदी गई सामग्री की कीमतें बाजार मूल्य को पर्याप्त रूप से दर्शाती हैं।
- ड. संबद्ध वस्तुओं के निविष्ट मूल्य बाजार मूल्यों को नहीं दर्शांते क्योंकि प्रमुख निविष्टियों के आपूर्तिकर्ता राज्य के स्वामित्व में ही आवेदक प्राधिकारी से यह अनुरोध करता है कि 'सिनिक' को निर्दिष्ट प्राधिकारीके पिछले निर्णयों के अनुसार एमईटी से मना किया जाए क्योंकि संबंधित उत्पाद की प्रमुख निविष्टियों की कच्चे माल की कीमतें बाजार मूल्य को नहीं दर्शाती । प्राधिकारी ने भारी और मध्यम वाणिज्यिक वाहनों के लिए प्रयुक्त फंट एक्सल बीम तथा स्टीयरिंग नकल और साइट्रिक एसिड से संबंधित पाटनरोधी जांचों में निर्यातकों को एमईटी दावों से मना कर दिया था।

'सिनिक' के विचार

- 23. 'सिनिक' द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के संबंध में निम्नलिखित अन्रोध किए गए हैं:-
 - क. सिनिक का समूह किसी भी कंपनी से कोई भी कारोबारी या प्रचालनात्मक संबंध नहीं है जिसके बारे में एमईटी प्रश्नावली के प्रत्युत्तर में विस्तार से स्पष्ट किया गया हो ।
 - ख. सिनिक पूर्ण स्वामित्व वाला विदेशी उद्यम है।
 - ग. सिनिक के निर्यात क्रियाकलाप किसी भी विधायी अधिनियम अथवा अन्यथा किसी तरीके से सरकार दवारा नियंत्रित नहीं है ।
 - घ. समस्त कच्चा माल स्वतंत्र आपूर्तिकर्ताओं से खरीदा गया है और सिनिक का किसी भी आपूर्तिकर्ता से कोई संबंध नहीं है ।
 - ङ. समस्त कारोबार (सिद्धांत-दर-सिद्धांत) विस्तार पर आधारित है ।
- 24. निर्यातक की सत्यापन रिपोर्ट में की गई टिप्पणी के प्रत्युत्तर में मैसर्स सिनिक ने यह भी कहा है कि :
 - क. सिनिक ने सिनिक समूह की सभी कंपनियों के संबंध में संगत समस्त सूचना प्रदान की है ।
 - उसने सिनिक होल्डिंग लि. के मूल फाउंडर का वित्तपोषण स्रोत श्रेणी-वार उपलब्ध कराया है ।
 - ग. सिनिक कैमिकल्स (संघाई) कं.लि. सिनिक होल्डिंग लि. (हांगकांग) की 100 प्रतिशत सहायक कंपनी है।
 - घ. सिनिक होल्डिंग लि. (हांगकांग) हांगकांग में निगमित है।
 - ङ. **** चीन भी सिनिक होल्डिंग लि. (हांगकांग) की 100 प्रतिशत सहायक कंपनी है ।
 - च. **** और **** एक दूसरे के समस्तर रूप से जुड़ी हैं न कि शीर्ष स्तर से अर्थात उनमें एक दूसरे में सीधे तौर पर कोई शेयरधारित नहीं है ।
 - छ. **** भी पिगमेंट का एक उत्पादक है लेकिन उनका भारत में कोई निर्यात नहीं होगा।
 - ज. सिनिक होल्डिंग हांगकांग की है और निर्यातक प्रश्नावली या एमईटी प्रश्नावली का प्रत्युत्तर दाखिल करना अपेक्षित नहीं है। इसके अलावा, ***** यद्यपि पिगमेंट के निर्माण में लगी है, लेकिन वे भारत को विचाराधीन उत्पाद का निर्यात नहीं कर रहे हैं। अत: यह सिद्ध हो जाता है कि वर्तमान जांच के प्रयोजन से

कोई भी संबद्ध कंपनी (सिनिक कैमिकल्स (शंघाई) कं. लि. को छोड़कर) निर्माण कार्य में और भारत को विचाराधीन उत्पाद के निर्यात में नहीं लगी हुई है । अतः किसी भी संबद्ध कंपनी द्वारा एमईटी प्रश्नावली के उत्तर दाखिल करना अपेक्षित नहीं है ।

मै. सिनिक कैमिकल्स (शंघाई) कंपनी लिमिटेड के बाजार अर्थव्यवस्था के दावों की जांच

- 25. जांच शुरूआत के स्तर पर प्राधिकारी ने चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानते हुए कार्रवाई की थी। जांच शुरूआत पर प्राधिकारी ने चीन में उत्पादकों/निर्यातकों को जांच शुरूआत की सूचना का उत्तर देने और उनके बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का निर्धारण से संगत सूचना प्रस्तुत करने की सलाह दी थी। प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध-। के पैरा 8(3) में यथानिर्धारित मापदंडों के अनुसार गैर बाजार अर्थव्यवस्था की मान्यता का खंडन करने के लिए सभी ज्ञात निर्यातकों को एमईटी प्रश्नावली की प्रतियां भेजी थीं। प्राधिकारी ने चीन की सरकार से भी उनके देश के उत्पादकों/निर्यातकों को संगत सूचना प्रदान करने की सलाह देने का अनुरोध किया था।
- 26. वर्तमान जांच में मै. सिनिक कैमिकल्स (शंघाई) कंपनी लिमिटेड ने एमईटी प्रश्नावली का उत्तर देते हुए बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा किया है । मै. सिनिक कैमिकल्स (शंघाई) कंपनी लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों/सूचना को प्राधिकारी द्वारा सत्यापित किया गया था । मौके पर सत्यापन की प्रक्रिया के दौरान प्राधिकारी द्वारा यह देखा गया कि याचिकाकर्ता द्वारा एमईटी प्रश्नावली प्रस्तुत की गई है परंतु एमईटी के दर्जे का दावा करने के लिए समूह कंपनी सिहत सभी संबंधित कंपनियों द्वारा सूचना प्रस्तुत नहीं की गई है । सिनिक होल्डिंग्स लि., हांगकांग के दो संस्थापकों की निधियों के मूल स्रोत का भी पता नहीं लग पाया है ।
- 27. सत्यापन रिपोर्ट संबद्ध कंपनी को उनके प्रतिनिधियों के जरिए टिप्पणियों हेतु भेजी गई थी । सत्यापन रिपोर्ट के उनके उत्तर में उन्होंने एक उत्तर प्रस्तुत किया । यह उत्तर संक्षेप में निम्नानुसार है:
 - क. मै. सिनिक कैमिकल्स (शंघाई) कंपनी लिमिटेड , सिनिक होल्डिंग्स लि. (हांगकांग) की 100% सहायक कंपनी है जो हांगकांग में अधिनियमित है;
 - ख. *** भी सिनिक होल्डिंग्स लि. (हांगकांग) की 100% सहायक कंपनी है वे भी पिगमेंट्स का उत्पादन करते हैं परंत् उन्होंने भारत को कोई निर्यात नहीं किए हैं।
 - ग. *** और *** अन्षंगी कंपनियां हैं जिनकी एक दूसरे में कोई प्रत्यक्ष शेयरधारिता नहीं है।
 - घ. सिनिक होल्डिंग्स हांगकांग में आधारित है और उसे निर्यातक प्रश्नावली या एमईटी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत करने की जरूरत नहीं है । इसके अलावा, *** यद्यपि, पिगमेंट्स के निर्माण में शामिल है । तथापि, वे भारत को विचाराधीन उत्पाद का निर्यात नहीं कर रहे हैं । अतः किसी संबंधित कंपनी द्वारा एमईटी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत करने की कोई आवश्यकता नहीं है ।
- 28. प्राधिकारी ने इस संबंध में निर्यातक कंपनी द्वारा की गई टिप्पणियों/अनुरोधों की जांच की और यह उल्लेख किया कि कंपनी ने सहायक कंपनियों के बीच संबंध के बारे में प्राधिकारी की आपित्तयों पर पर्याप्त दस्तावेजों सिहत कोई संतोषजनक टिप्पणियां और समूह की कंपनियों के ब्यौरे उपलबध नहीं कराए हैं। इसके अलावा वे यह सिद्ध नहीं कर पाए कि विभिन्न कच्ची सामग्रियां प्रचलित अंतर्राष्ट्रीय बाजार मूल्यों से तुलनीय हैं। कंपनी ने यह स्वीकार किया है कि जल, भाप, प्राकृतिक गैस और बिजली जैसी सेवाओं की आपूर्ति स्थानीय प्राधिकरणों/सरकारी उपक्रमों/संयुक्त उद्यमों द्वारा की जाती है इसलिए बाजार आधारित कीमतों पर नहीं है।साथ ही, निवेशकों और शेयरधारकों के धन के स्रोत भी नहीं दिए गए हैं। प्राधिकारी द्वारा यह पाया गया कि सिनिक कैमिकल्स (शंघाई) कं. लि., चीन जन गण. सिनिक होल्डिंग लि., हांगकांग की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है, जो दो कंपनियों के स्वामित्व में सिनिक समूह का भाग है, अर्थात **** और **** होल्डिंग के क्रमश: **** और **** शेयर हैं। **** (****) पूर्ण रूप से **** के स्वामित्व में है। इसके अलावा यह सिनिक होल्डिंग लि. हांगकांग का **** स्वामित्व है। चीन जन गण., जो जांच की अविध के दौरान पिगमेंट के निर्माण में भी लगा है। सिविक कैमिकल्स (शंघाई) कं. लि., चीन जन गण. और *****

सहायक कंपनियां हैं । दोनों ही समूह कंपनी और सहायक कंपनी के निर्यातक प्रश्नावली के प्रत्युत्तर दाखिल नहीं किए हैं ।

- 29. यद्यपि, प्राधिकारी यह सराहना करते हैं कि स्वामियों की पूंजी का स्रोत बिल्कुल ही सामान्यतः कारोबारी कार्य है, खासकर गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थित के प्रसंग में, मूलभूत बात जो विचार के लिए सामने आई, वह निवेश की गई पूंजी के लिए धन के स्रोत और पूंजी निवेशों के साथ स्वामित्व संरचना की अनुकूलता की है। निर्यातक इतनी बड़ी मात्रा में निवेशों के लिए धन के उचित स्रोत को सिद्ध नहीं कर पाया।
- 30. उपर्युक्त स्थिति को देखते हुए प्राधिकारी ने यह पाया कि सिनिक कैमिकल्स (शंघाई) कं.लि. चीन जन.गण. का गैर-बाजार स्थितियों के अंतर्गत प्रचालन जारी रहा और सिनिक कैमिकल्स (शंघाई) कं. लि. चीन जन.गण. को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता ।

चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य

- 31. चूंकि प्राधिकारी ने प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक के इस प्रकटीकरण विवरण के प्रयोजन से बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रदान नहीं किया है, इसलिए नियमावली के अनुबंध-। के पैरा-7 के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है।
- 32. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-7 के अनुसार , उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए चीन जन गण. में सामान्य मूल्य निर्धारित किया है । तद्नुसार, चीन जन गण. से प्रतिवादी निर्यातकों के लिए विचाराधीन उत्पाद का सामान्य मूल्य, प्रमुख निविष्टियों, अर्थात सोडियम मेटल, 4-क्लोरोबेंजोनाइट्रिल (पीसीबीएन),डी1 आइसोप्रोपाइल सक्सीनेट (डीआईपीएस) टेरिशियरी एमाइल अल्कोहल (टीएए) मिथानोल और ग्लेसियल एसेंटिक एसिड के अंतर्राष्ट्रीय मूल्यों को ध्यान में रखकर और घरेलू उद्योग की परिवर्तन लागत में घरेलू उद्योग की बिक्री, सामान्य व प्रशासन लागत, तथा पैकिंग लागत को मिलाकर उसे समायोजित करके तैयार की गई है । सामान्य मूल्य तैयार करने के लिए 5 प्रतिशत का लाभ मार्जिन जोड़ा गया है ।

चीन जन.गण. के उत्पादकों और निर्यातकों के मामले में निर्यात मूल्य

मै. सिनिक कैमिकल्स (शंघाई कं.लि.)

33. प्राधिकारी यह उल्लेख करते हैं कि मैसर्स सिनिक कैमिकल्स (शंघाई) कं. लि., चीन जन.गण. ने निर्धारित तरीके से उत्तर दिया है और निवल निर्यात मूल्य निर्धारित करने के लिए अपेक्षित सूचना प्रस्तुत की है। प्राधिकारी ने संबंधित अपेक्षित सूचना प्रस्तुत की है। प्राधिकारी ने संबंधित उत्पादक/निर्यातक द्वारा दाखिल निर्यातक प्रश्नावली के प्रत्युत्तर के परिशिष्ट-2 में प्रस्तुत किए गए निर्यात कारोबार के ब्यौरों की पृष्टि की है। प्राधिकारी ने फैक्ट्री बाहय स्तर पर निवल निर्यात मूल्य तय करने के लिए, प्रश्नावली के अपने प्रत्युत्तर में निर्यातक द्वारा किए गए दावे के अनुसार देश में मालभाड़े, पत्तन और हैंडलिंग प्रभारों, बैंक प्रभारों, ऋण लागत तथा अप्रत्यर्पणीय वैट का समायोजन किया। तद्नुसार, मै0 सिनिक कैमिकल्स (शंघाई) कं. लि. चीन जन.गण. के लिए इस प्रकार से निर्धारित फैक्ट्री बाहय स्तर पर निवल निर्यात मूल्य नीचे पाटन मार्जिन सारणी में दिया गया है।

चीन जन.गण. से असहयोगी निर्यातक

34. चीन जन.गण. के मामले में अन्य उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात मूल्य का निर्धारण, रिकॉर्ड में सुलभ सूचना के आधार पर किया गया है । प्राधिकारी ने देश के अंदर मालभाड़े, पत्तन व हैंडलिंग प्रभारों, ऋण लागत तथा अप्रत्यावर्तनीय वेट का समायोजन किया तािक फैक्ट्री बाह्य स्तर पर निवल निर्यात मूल्य निकाला जा सके । तद्नुसार, प्राधिकारी द्वारा यथा निर्धारित फैक्ट्री बाह्य स्तर पर निवल निर्यात मूल्य का उल्लेख नीचे पाटन मार्जिन सारणी में किया गया है :-

स्विटजरलैंड से उत्पादकों और निर्यातकों के मामले में सामान्य मूल्य

35. चूंकि स्विट्जरलैंड से कोई प्रत्युत्तर प्राप्त नहीं हुआ और किसी भी हितबद्ध पक्षकार द्वारा जांच की अविध के दौरान स्विटजरलैंड के संबद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य से संबंधित सूचना उपलब्ध नहीं कराई और न ही सार्वजनिक डोमेन में वह सुलभ हो सकी, इसलिए प्राधिकारी द्वारा स्विटजरलैंड में उतपादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण प्रमुख कच्ची सामग्रियों अर्थात सोडियम मेटल, 4-क्लोरोबेजोनाइट्राइल (पीसीबीएन), डी-आई आइसोप्रोफाइल सक्सीनेट (डीआईपीएस), टिश्चरी अमाइल अलकोहल (टीटीए), मिथनोल और ग्लेसियल एसेटिक एसिड के अंतर्राष्ट्रीय मूल्यों के आधार पर घरेलू उद्योग की परिवर्तन लागत को विधिवत समायोजित करके बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक लागत तथा घरेलू उद्योग की पैकिंग लागत को शामिल करके 5 प्रतिशत की दर से उचित लाभ को जोड़कर लिया गया है । स्विटजरलैंड के लिए प्राधिकारी द्वारा इस प्रकार से निर्धारित सामान्य मूल्य का उल्लेख नीचे पाटन सारणी में किया गया है ।

स्विट्जरलैंड से उत्पादकों और निर्यातकों के मामले में निर्यात मूल्य

36. स्विट्जरलैंड से किसी उत्पादक/निर्यातक से कोई प्रत्युत्तर प्राप्त नहीं हुआ है । उपर्युक्त को देखते हुए स्विटजरलैंड के मामले में सभी उत्पादकों/निर्यातकों से निर्यात मूल्य का निर्धारण उपलब्ध सूचना के आधार पर किया गया है । प्राधिकारी ने फैक्ट्री बाह्य स्तर पर निवल निर्यात मूल्य निकालने के लिए समुद्री मालभाड़ा, विदेशी बीमा, पत्तन व्यय, देश के भीतर मालभाड़ा, बैंक प्रभारों तथा ऋण लागत का याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावे के अनुसार समायोजन करने के बाद किया गया है । तद्नुसार, स्विट्जरलैंड के मामले में फैक्ट्री बाह्य स्तर पर निवल निर्यात मूल्य का निर्धारण नीचे पाटन मार्जिन तालिका में किए गए उल्लेख के अनुसार किया गया है ।

पाटन मार्जिन

37. पूर्ववर्ती पैरा में यथानिर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य की तुलना करते हुए प्राधिकारी ने चीन जन.गण. तथा स्विट्जरलैंड से सभी निर्यातकों/उत्पादकोंके लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण इस प्रकार किया है :-

<u>पाटन मार्जिन तालिका</u>

उद्गम का	उत्पादक	निर्यातक	सामान्य मूल्य	निवल निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन	पाटन मार्जिन
देश	उत्पादक	ाणपातम	(अम.डॉ./िकग्रा.)	(अम.डॉ./किग्रा.)	(अम.डॉ./ किग्रा.)	मार्जिन (%)	रेंज (%)
चीन	मै.	मै. सिनिक	***	***	***	***	45-55
जन.गण.	सिनिक	कैमिकल्स कं.					
	कैमिकल्स	ति. शंघाई					
	कं. लि.						
	शंघाई						
चीन	अन्य	अन्य		***	***	***	70-80
जन.गण.							
स्विट्जरलैंड	कोई	कोई	***	***	***	***	20-30

च. क्षति निर्धारण और कारणात्मक संबंध

क्षति निर्धारण

आयातकों, निर्यातकों, उपयोगकर्ताओं तथा उपयोगकर्ता संघ द्वारा किए गए अनुरोध

हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अन्रोध नीचे दिए गए हैं :-

38. <u>सिनिक द्वारा किए गए अनुरोध</u>

- क. कुल आयात केवल 153 प्रतिशत तक बढ़ा है जबिक याचिकाकर्ता की घरेलू बिक्री क्षिति विश्लेषण की अविध के दौरान 165 इंडेक्स प्वाइंट तक बढ़ी है ।
- ख. घरेलू उद्योग और संबद्ध देशों से आयात, दोनों में बाजार के हिस्से में वृद्धि हुई है । प्रतिवादी का यह तर्क था कि घरेलू उद्योग और संबद्ध देशों, दोनों ने अपना बाजार हिस्सा बढ़ाकर पूंजी जुटाई है जबकि अन्य देशों से आयातों के बाजार हिस्से में कमी आई है ।
- ग. याचिकाकर्ता का बाजार का हिस्सा 2010-11 में 38 प्रतिशत से बढ़कर जांच अविध के दौरान बढ़कर 40 प्रतिशत तक हो गया जबिक संबद्ध देशों से आयातों के बाजार का हिस्सा 2010-11 में 26 प्रतिशत से बढ़कर जांच अविध के दौरान 45 प्रतिशत तक हो गया है।
- घ. घरेलू उद्योग को क्षति याचिकाकर्ता के संयंत्र में क्षमता बढ़ाने पर हुए पूंजीगत व्यय के कारण हैं जिसके परिणामस्वरूप याचिकाकर्ता के लाभ में कमी आई ।
- ड. घरेलू उद्योग में क्षति का कारण याचिकाकर्ता के निर्यात में गिरावट आना है; याचिकाकर्ता की घरेलू बिक्री से क्षति विश्लेषण अविध में बढ़ी है ।
- च. याचिकाकर्ता अपने समय को निर्यात करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय आदेश प्राप्त नहीं कर पाया, जिसके कारण उसकी माल सूची बढ़ी । तब प्रतिवादी ने तर्क दिया कि याचिकाकर्ता की मालसूची, याचिकाकर्ता की क्षमता में वृद्धि और निर्यात में गिरावट के प्रत्यक्ष कारण से है ।
- छ. घरेलू उद्योग ने अपने उत्पादन का अधिकांश हिस्सा क्षति विश्लेषण अवधि और जांच अवधि के दौरान निर्यात किया है और इसीलिए यह हिस्सा घरेलू उद्योग की क्षति की गणना करने के प्रयोजन से आधारित आंकड़ों के रूप में नहीं माना जाना चाहिए।
- ज. जहां तक कि यदि ई ओ यू ''घरेलू उद्योग'' का दर्जा प्रदान कर दिया गया, वास्तविक उत्पादन और डीटीए की स्वीकृति को ही क्षति के निर्धारण के प्रयोजन के आधार बनाया जाए ।

39. भारतीय पंट एसोसिएशन द्वारा अनुरोध

- क. घरेलू उद्योग ने सार्वजनक सुनवाई के दौरान यह कहा है कि वह जांच अवधि और क्षति अवधि के दौरान भारत में विचाराधीन उत्पाद की बढ़ती मांग का ककेवल 50 प्रतिशत ही प्राप्त कर सका । तथापि, बढ़ती मांग का 50 प्रतिशत प्राप्त करना अपने आप में यह सुझाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री पर आयातों का कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा।
- ख. घरेलू उद्योग के क्षिति मानदंड सामग्री क्षिति की मौजूदगी अथवा सामग्री क्षिति की संभावना को नहीं दर्शाते । प्रतिवादी का तर्क है कि चूंकि याचिकाकर्ता एक 100 प्रतिशत ईओयू है, इसलिए अपने लगभग सभी उत्पादन निर्यात कर रहा है और इसीलिए याचिकाकर्ता घरेलू बाजार में संबद्घ वस्तुओं के आयातों के मुकाबले में नहीं है।
- ग. याचिकाकर्ता की संस्थापित क्षमता 2010-11 में 250,000 किग्रा. से जांच अविध में बढ़कर 350,000 किग्रा. हो गई । तब पतिवादी का यह तर्क है कि याचिकाकर्ता का उत्पादन, घरेलू बिक्री और बाजार का हिस्सा भी 2010-11 के आधार वर्ष से जांच अविध में बढ़ गया ।
- घ. याचिकाकर्ता की संस्थापित क्षमता, उत्पादन, घरेलू बिक्री तथा बाजार के हिस्से में क्षति विश्लेषण अविध और जांच अविध के दौरान सुधार दिखाई दिया और इसीलिए घरेलू उद्योग को सामग्री क्षति का कोई मामला नहीं है।

- ड. चीन जन.गण. से आयात के मामले में मल्य की कटौती नहीं हुई क्योंकि पीपीजी एशियन पेंट और कंसाई नेरोलक के घरेलू खरीद आंकड़े यह दर्शाते हैं कि चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तुओं का पहुंच मूल्य इन कंपनियों के घरेलू खरीद मूल्य से अधिक है।
- च. याचिकाकर्ता यह सिद्ध करने में असफल रहा कि चीन जन.गण. में भारी अप्रयुक्त क्षमताएं हैं।
- छ. याचिकाकर्ता उच्च ब्याज लागत के कारण क्षति का सामना कर रहा है ।
- ज. घरेलू उद्योग विचाराधीन उत्पाद तैयार करने के लिए चीन से कच्चे माल का आयात कर रहा है । तथापि, 2010-11 से 2012-13 के दौरान भारतीय मुद्रा की कीमतों में करीब 20 प्रतिशत तक गिरावट आई जिसके परिणमस्वरूप आयात महंगा ह्आ ।

40. <u>घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध</u>

घरेलू उद्योग द्वारा यह कहा गया है कि :

- क. बाजार हिस्सा, बिक्री, मांग और बनाने व बेचने की लागत जैसे विभिन्न क्षिति मानदंड प्रस्तुत करते समय याचिकाकर्ता ने केवल याचिकाकर्ता द्वारा की गई वास्तविक डीटीए बिक्री को ही लिया है।
- ख. संबद्ध देशों से आयात में क्षिति विश्लेषण अविध के दौरान 291 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। याचिकाकर्ता अपना बाजार हिस्सा बढ़ाने में असमर्थ है, जो क्षिति विश्लेषण अविधि में केवल 40 प्रतिशत के करीब रहा है लेकिन संबद्ध देशों से आयातों का बाजार हिस्सा 2010-11 में 23 प्रतिशत से बढ़कर जांच अविधि में 42 प्रतिशत तक हो गया है।
- ग. संबद्ध देशों से हुए आयातों ने बाजार हिस्से पर कब्जा कर लिया है । प्रतिवादी संबद्ध देशों से आयातों के बाजार हिस्से के बारे में गलत आंकड़े दर्शा रहे हैं ।
- घ. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने यह स्वीकार किया है कि जब भारत में मांग बढ़ी तो याचिकाकर्ता के बाजार में हिस्सेदारी बढ़ा ली । जबिक संबद्ध देशों से आयातों की बाजार हिस्सेदारी में भारत में मांग बढ़ाने के लिए पर्याप्त रूप में वृद्धि हुई ।
- ड. संबद्ध देशों से आयातों की बाजार हिस्सेदारी 2010-11 में 23 प्रतिशत से बढ़कर 2011-12 में 28 प्रतिशत हो गई, जो बाद में 2012-13 में बढ़कर 34 प्रतिशत तक हो गई और जांच अविध के दौरान यह आश्चर्यजनक स्तर तक पहुंच गई। यह क्षिति विश्लेषण अविध और जांच अविध के दौरान कुल मिलाकर 19 प्रतिशत की वृद्धि रही। उपरोक्त रूझान स्पष्ट तौर पर यह दर्शाता है कि संबद्ध देशों से आयातों ने भारत में घरेलू उद्योग की बजाय बाजार पर कब्जा कर लिया।
- च. याचिकाकर्ता संबद्ध देशों से पटित आयातों से अनुचित प्रतिस्पर्धा के कारण अपनी क्षमता का उपयोग (जांच अविध में 40 प्रतिशत क्षमता व्यर्थ) कर जाने में असमर्थ रहा । याचिकाकर्ता अपनी मौजूदा क्षमता से भारत में समग्र मांग की पूर्ति करने में पूर्ण रूप से समर्थ है ।
- छ. याचिकाकर्ता ने 2011-12 में अपनी क्षमता का विस्तार किया था और याचिकाकर्ता के निर्यात में भी 2011-12 से लेकर जांच की अविध तक उसी के अनुरूप वृद्धि हुई । घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन से घरेलू उद्योग की क्षिति के निर्धारण से कोई संबंध नहीं है और प्रतिवादी के तर्क इस संबंध में अस्वीकार किए जाएं ।
- ज. प्रतिवादी पक्षकारों द्वारा 2010-11 में क्षिति मानदंडों की जांच अविध से तुलना करके प्रारंभ से अंत तक की तुलना करने का दृष्टिकोण उचित नहीं है । यह तुलना परिस्थितियों में हस्तक्षेप से होने वाले परिवर्तनों और हस्तक्षेप की प्रवृत्तियों को नजरअंदाज करती है और इसीलिए पाटित

आयातों के प्रभाव की एक अधूरी तस्वीर पेश करते है। यूएस-हॉट रोल्ड स्टील में एक डब्ल्यूटीओ पैनल ने ऐसी ही आपत्ति व्यक्त की है जो नीचे दी गई है :-

7.2.34.... हमारे विचार में, इस सीमा तक कि जापान यह सुझाव दे रहा है कि यूएसआईटीसी को 1996 के स्तरों से 1998 के स्तरों की तुलना करते हुए प्रारंभ से अंत तक की तुलना की जानी चाहिए थी, हम यह नोट करते हैं कि उन परिस्थितियों और स्थितियों को नजरअंदाज करते हुए, जिनमें कि उपयोग का प्रचालन हो रहा है, ऐसी तुलना पाटित आयातों के प्रभाव की अधूरी तस्वीर पेश करेगी।

<u>पाद-टिप्पणी 163:</u>

इस संबंध में हम अर्जेंटाइना-फुटवियर में पैनल के विचारों को साझा करते हैं। ''हस्तक्षेप की प्रवृत्तियों पर विचार किए बिना शुरू से आखिर तक का विश्लेषण करना, अपेक्षित सभी संगत कारकों का पूर्ण मूल्यांकन प्रदान करने के लिए बिल्कुल असंगत है ।'' पैनल रिपोर्ट अर्जेन्टाइना फुटवियर, पैरा 8.217 । निस्संदेह यह बयान सुरक्षा उपायों पर करार के प्रसंग में दिया गया था लेकिन सुरक्षा उपाय करार, अनुच्छेद 4.2 (क) में संगत प्रावधान पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.4 के बिल्कुल समान है ।

- झ. आयातों की पहुंच कीमत समूची क्षति अविध के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत से काफी कम रही । आयातों का बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों पर काफी दमनकारी प्रभाव पड़ा है । घरेलू उद्योग की बिक्री लागत और बिक्री मूल्य के बीच अंतर, पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण समूची क्षति अविध के दौरान कम हो रहा है और घरेलू उद्योग लागत में वृद्धि के अनुपात में अपनी कीमतों में वृद्धि कर पाने में असमर्थ है, इससे भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है ।
- ज. याचिकाकर्ता की बाजार की हिस्सेदारी समग्र क्षिति विश्लेषण अवधि और जांच अवधि के दौरान 40 प्रतिशत के आसपास रही जबिक संबद्ध देशों से पाटित आयातों की बाजार हिस्सेदारी 2010-11 में 23 प्रतिशत से बढ़कर जांच अविध में 42 प्रतिशत हुई ।
- ट. कीमत कटौती की जांच आस-पास के हालतों को अलग करके नहीं की जा सकती। याचिकाकर्ता पर प्रयोक्ता उद्योग द्वारा संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कम मूल्य की तुलना करने के लिए निरंतर दबाव डाला गया है । इससे घरेलू उद्योग को अपना माल उत्पादन की लागत से कम कीमत पर बेचने को बाध्य होना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को काफी नुकसान उठाना पड़ा ।
- ठ. मै. सिनिक (शंघाई) कं. लि. ने स्वयं ही सार्वजनिक सुनवाई में यह स्वीकार किया है कि उसकी क्षमता 2500 मी.ट. प्रति वर्ष की है । यह क्षमता याचिकाकर्ता की क्षमता से लगभग 10 गुना है । इसके अलावा, एक अन्य उत्पादक बीएएसएफ ने भी चीन जन.गण. में अपनी निर्माण सुविधा शुरू कर दी है । याचिकाकर्ता के पास बाजार की सूचना के अनुसार संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तुओं के लिए भारी क्षमता मौजूद है । अतः संबद्ध देशों में भारी क्षमताएं होने और संबद्ध देशों से बहुत ही कम कीमतों के आयातों, भारत में संबद्ध वस्तुओं की भारी मांग तथा भारत को संबद्ध देशों में उत्पादकों का निर्यात की ओर अभिमुखी होना यह दर्शाता है कि भारत ही संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों का लक्ष्य है।

प्राधिकारी द्वारा जांच :

- 41. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध को ध्यान में रखा है। प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमों के अनुसार, घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच की है और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों पर विचार किया है।
- 42. नियमों के तहत प्राधिकारी को मात्रा और मूल्य, दोनों के प्रभावों की जांच करके क्षित की जांच करना अपेक्षित है। क्षित की विधीक्षा में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान वस्तु के लिए घरेलू बाजार में मूल्यों पर पाटित आयातों के प्रभाव तथा (ख) घरेलू उद्योग पर इस आयोग के परिणामी प्रभाव, दोनों की उद्देश्यपरक जांच शामिल है। जहां तक पाटित आयातों की मात्रा का संबंध है, प्राधिकारी को यह विचार करना है कि क्या पाटित आयातों में समग्र अथवा उत्पादन से संबद्ध अथवा भारत में खपत में पर्याप्त वृद्धि हुई है। प्राधिकारी के पाटित आयातों के प्रभाव के संबंधों पर यह विचार करना है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों की कीमतों में काफी कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से मूल्यों में काफी गिरावट आई है अथवा कीमतों को रोका गया है जो भारी मात्रा में बढ़ती।
- 43. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों क परिणामी प्रभाव के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-।। के पैरा (iv) में यह उल्लेख है :-

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों, घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन शामिल होगा।"

44. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों और तथ्यों को ध्यान में रखते हुए क्षति मानदंडों की उद्देश्यपरक जांच की है ।

मांग का निर्धारण

45. सभी देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों और घरेलू समान उत्पाद की घरेलू बिक्री को शामिल करके संबद्ध वस्तुओं की मांग/स्पष्ट खपत निर्धारित की गई है । प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं की मांग में क्षिति अविध के दौरान काफी वृद्धि हुई है, जैसा कि नीचे सारणी में देखा जा सकता है :-

विवरण	इकाई	2010-11	2011-12	2012-13	जांच अवधि (जन. – दिसं.'13)
आयात					
चीन	किग्रा.	7563	3340	37660	48620
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	44	498	643
स्विट्जरलैंड	किग्रा.	18140	27480	14360	26220
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	151	79	145
संबद्ध देशों से कुल आयात	किग्रा.	25,703	30,820	52,020	74,840
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	120	202	291

विवरण	इकाई	2010-11	2011-12	2012-13	जांच अवधि (जन. – दिसं.'13)
अन्य देशों से आयात	किग्रा.	44,173	37,416	32,424	32,428
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	85	73	73
कुल आयात	किग्रा.	69,876	68,236	84,444	107,268
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	121	154
कुल घरेलू बिक्री	किग्रा.	43,200	42,154	66,615	72,788
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	154	168
मांग/स्पष्ट खपत	किग्रा.	113076	110390	151059	180,056
के संबंध में संबद्ध देशों से आयात	%	23	28	34	42
रिल् उद्याग का कुल उत्पादन	किग्रा.	185,479	176,438	176,356	208,611
। के संबंध में संबद्ध देशों से आयात	%	14	17	29	36

- (क) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने यह उल्लेख किया है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का आयात 2010-11 और 2011-12 के दौरान पर्याप्त मात्रा में भारत में नहीं हो रहा था । तथापि इसमें 2012-13 और जांच अविध के दौरान काफी वृद्धि हुई ।
- (ख) चीन जन.गण. से आयात 2010-11 के दौरान 7,563 कि.ग्रा. से भारी वृद्धि होकर जांच अविध के दौरान 48620 किग्रा. हो गया ।
- (ग) स्विट्जरलैंड से आयात 2010-11 के 18,140 किग्रा. से बढ़कर जांच अविध के दौरान 26,220 कि.ग्रा. हो गया ।
- (घ) भारतीय उत्पादन के संबंध में संबद्घ देशों से संबद्घ वस्तुओं का आयात जांच अविध के दौरान 36 प्रतिशत के स्तर तक पहुंच गया जिसने वृद्धि का रूझान दिखाया ।
- (ङ) भारत में खपत के संबंध में संबद्ध देशों से आयात जांच की अविध 2010-11 के दौरान 23 प्रतिशत के स्तर से बढ़कर 42 प्रतिशत के स्तर तक पहुंच गया ।
- (च) अतः यह निष्कर्ष निकाला गया है कि संबद्ध देशों से आयात में समग्र रूप से और भारत में उत्पादन व खपत के संबंध में दोनों रूप में वृद्धि हुई है।

घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

46. मूल्यों पर पाटित आयातों के पभाव के संबंध में नियमावली के अनुबंध-II(ii) में यह विनिर्दिष्ट है :-

जहां तक नियम 18 के उप-नियम (2) में किए गए उल्लेखानुसार कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना मे पाटित आयातों के कारण कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव के कारण कीमत में होने वाली वृद्धि में अन्यथा काफी अधिक ह्रास हुआ है अथवा कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है जिसमें अन्यथा काफी हद तक वृद्धि हो गई होती ।

47. यह जांच की गई है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पटित आयातों में भारी कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव भारी मात्रा में कीमतों को प्रभावित करने के लिए, जो भारी मात्रा में बढ़तीं । घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव की, कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत हास और कीमत न्यूनीकरण के संदर्भ में जांच की गई है ।

कीमत कटौती

48. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योगों की निवल बिक्री के साथ आयातों की पहुंच कीमत की तुलना की है । इस संबंध में उत्पाद की पहुंच कीमत और घरेलू उद्योग की औसत बिक्री कीमत, सभी छूट तथा करों को एक समान स्तर के व्यापार सहित, के बीच एक तुलना की गई है । घरेलू उद्योग की कीमतें कारखाना बाहय स्तर पर निर्धारित की गई । यह तुलना दर्शाती है कि जांच की अविध के दौरान संबद्ध देशों के मूल की संबद्ध वस्तुएं भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग की बिक्री की कीमतों से कम पर आयात की गई थी । अत: यह उल्लेख किया जाता है कि संबद्ध वस्तुओं का आयात घरेलू कीमतों में कटौती कर रहा था और कटौती का मार्जिन नीचे सारणी में दिया गया है :-

	2010 11	2011.12	2012.12	जांच अवधि
विवरण	2010-11	2011-12	2012-13	(जन दिसं.'13))
घरेलू बिक्री प्राप्ति	***	***	***	***
(रु. प्रति किग्रा.)				
सूचीबद्ध	100	93	82	78
पहुंच मूल्य				
चीन (रु. प्रति किग्रा.)	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	114	89	91
स्विट्जरलैंड (रु. प्रति किग्रा.)	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	74	83	71
अन्य देश (रु. प्रति किग्रा.)	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	87	108	120
कीमत कटौती				
चीन (रु. प्रति किग्रा.)	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	(29)	46	0
स्विट्जरलैंड (रु. प्रति किग्रा.)	***	***	***	***
सूचीबद्ध	(100)	644	(112)	167
अन्य देश (रु. प्रति किग्रा.)	***	***	***	***
सूचीबद्ध	(100)	(71)	(169)	(221)

विवरण	2010-11	2011-12	2012-13	जांच अवधि (जन. – दिसं.'13))
पहुंच मूल्य की % कीमत कटौती				
चीन	***	***	***	***
स्विट्जरलैंड	***	***	***	***
अन्य देश	***	***	***	***

- 49. प्राधिकारी ने यह नोट किया कि चीन जन.गण. से आयातों के संबंध में कीमत कटौती जांच अविध के दौरान नगण्य थी। घरेलू उद्योग का यह मत है कि ऐसी नगण्य कीमत कटौती के लिए प्रमुख कारण यह है कि घरेलू उद्योग को अपने ग्राहकों को बनाए रखने के लिए चीन जन.गण. से निर्यातकों द्वारा पेश कीमतों की तुलना करनी पड़ती है। चीन जन.गण. से निर्यातकों द्वारा पेश की गई कम कीमतों के कारण घरेलू उद्योग को अपनी बाजार की हिस्सेदारी को बनाए रखने के लिए बिक्री कीमत को कम करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं बचा।
- 50. प्राधिकारी ने यह उल्लेख किया है कि स्विट्जरलैंड से आयातों के संबंध में कीमत कटौती जांच की अविध के दौरान सकारात्मक थी।

कम कीमत पर बिक्री

51. प्राधिकारी ने चीन जन.गण. और स्विट्जरलैंड से पाटित आयातों के कारण कीमत कटौती की भी जांच की है। इस प्रयोजन के लिए घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित एनआईपी की आयातों की पहुंच कीमत के साथ तुलना की गई है। घरेलू उद्योग के एनआईपी की जांच अविध के दौरान आयातों की भारित औसत पहुंच कीमत के साथ तुलना इस प्रकार है:-

विवरण	इकाई	चीन जन.गण.	स्विट्जरलैंड
क्षति रहित कीमत	<u>रु.</u> /किग्रा.	***	***
पहुंच मूल्य	रु./किग्रा.	***	***
कम कीमत पर बिक्री	रु./किग्रा.	***	***
कम कीमत पर बिक्री	%	***	***
कम कीमत पर बिक्री	% रेंज	20-30	30-40

52. यह देखा गया है कि संबद्घ वस्तुओं की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित एनआईपी से काफी कम थी ।

कीमत हास/न्यूनीकरण

53. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या आयातों का प्रभाव भारी मात्रा में कीमतों को कम करने अविध कीमत को बढ़ने से रोकने के लिए है, जोिक अन्यथा हो गया होता । प्राधिकारी ने क्षिति अविध के दौरान भी लागतों और कीमतों में परिवर्तन की जांच की । स्थिति नीचे सारणी में दी गई है :-

		2010 11	2011 12	2012 12	जांच अवधि	
विवरण	इकाइ	विवरण इकाई 2010-11	2010-11	2011-12	2012-13	(जन. – दिसं.'13)
बिक्री की लागत (घरेलू)	रु./किग्रा.	***	***	***	***	
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	128	120	142	
बिक्री मूल्य (घरेल्)	रु./किग्रा.	***	***	***	***	
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	93	82	78	

54. यह देखा गया है कि क्षति अविध के दौरान निर्माण और बिक्री की लागत 42 के सूचकांक तक बढ़ी है, जबिक उसी अविध में घरेलू बिक्री की कीमत में 22 के सूचकांक तक गिरावट आई है । आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में गिरावट हो रही थी और साथ ही कीमतों को बढ़ने से भी रोक रही थी, जो अन्यथा होती ।

घरेलू उद्योग के अन्य आर्थिक मानदंड

55. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-।। में यह अपेक्षित है कि क्षिति के निर्धारण में समान उत्पाद के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। नियमों में आगे यह उपबंध है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक मापदंडों और बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों; घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभावों का तथ्यपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मापदंडों पर निम्नानुसार चर्चा की गई है।

(i) उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग और बिक्री

56. उत्पादन, घरेलू बिक्री, क्षमता और क्षमता उपयोग के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच की गई और नीचे सारणी में दर्शायी गया है।

विवरण	2010-11	2011-12	2012-13	जांच अवधि (जन. – दिसं.'13)
वर्ष के लिए स्थापित क्षमता	250,000	350,000	350,000	350,000
सूचीबद्ध	100	140	140	140
कुल उत्पादन	185,479	176,438	176,356	208,611
सूचीबद्ध	100	95.13	95.08	112.47
क्षमता उपयोग (%)	74%	50%	50%	60%
सूचीबद्ध	100	67.95	67.92	80.34
घरेलू बिक्री	43,200	42,154	66,615	72,788
सूचीबद्ध	100	98	154	168
निर्यात बिक्री	135,355	90,130	114,740	97,460

सूचीबद्ध	100	67	85	72
मांग	113,076	110,390	151,059	180,056
मांग सूचीबद्ध	100	98	134	159

57. उपरोक्त सारणी से यह देखा जा सकता है कि घरेलू उद्योग की क्षमता उपयोग में जांच अविध के दौरान काफी गिरावट आई है । घरेलू उद्योग 2010-11 के दौरान बेहतर 74 प्रतिशत क्षमता उपयोग कर पाया । तथापि, यह जांच अविध के दौरान गिरकर 60 प्रतिशत तक आ गया । याचिकाकर्ता द्वारा यह कहा गया है कि पाटित आयातों से लगातार दबाव के कारण घरेलू उद्योग को बाजार में बने रहने के लिए अपने मूल्य कम करने पड़े थे । यदि घरेलू उद्योग ने संबद्ध देशों से निर्यातकों द्वारा पेश कीमतों के अनुसार कमी नहीं की होती तो स्थिति और भी नाजुक हो गई होती ।

(ii) मालसूची

	2010 11	2011 12	2012 12	जांच अवधि
मालसूची	2010-11	2011-12	2012-13	(जन. – दिसं.'13)
मालसूची (किग्रा. में)	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	261	331	264

58. यह उल्लेख किया जा सकता है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों के निरंतर दबाव के कारण घरेलू उद्योग मेहनताना कीमतों पर अपना उत्पादन बेचने में असमर्थ है और 2011-12 से घरेलू उद्योग की मालसूची निरंतर बढ़ती रही।

लाभ, लाभप्रदता, निवेश पर आय तथा नकद लाभ

(iii) लाभप्रदता

59. घरेलू उद्योग द्वारा घरेलू उद्योग में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री से अर्जित लाभ इस प्रकार है:-

विवरण	2010-11	2011-12	2012-13	जांच अवधि
Idutoi	2010-11	2011-12	2012-13	(जन. – दिसं.'13)
लाख रुपए	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	(13)	(51)	(201)
रुपए प्रति किग्रा.	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	(13)	(33)	(119)

60. घरेलू उद्योग के लाभ में चीन जन.गण. और स्विट्जरलैंड से निर्यातकों के पाटन के कारण जांच अविध के दौरान भारी वृद्धि हुई । घरेलू उद्योग 2010-11 के दौरान लाभ कमा रहा था । तथापि, उसके बाद पाटन में तेजी आई और घरेलू उद्योग बिक्री की पूंजी लागत वसूलने में समर्थ नहीं रहा । 2010-11 में 100 सूचीबद्ध इकाइयों के कुल लाभ से घरेलू उद्योग ने नुकसान उठाना शुरू कर दिया और उसका नुकसान पांच वर्ष की अविध के दौरान 119 इकाइयों तक पहुंच गया । घरेलू उद्योग को हुई क्षिति में जांच अविध के दौरान काफी वृद्धि हुई ।

(iv) नकद लाभ

विवरण	इकाई	2010-11	2011-12	2012-13	जांच अवधि (जन. – दिसं.'13)
नकद लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	22	12	(95)
	रु./किग्रा.	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	23	8	(57)

61. घरेलू उद्योग की नकदी लाभ स्थिति में भी भारी परिवर्तन आया है। वर्ष 2010-11 में 100 सूचीबद्ध इकाइयों के कुल नकदी लाभ से घरेलू उद्योग ने जांच अविध के दौरान नुकसान उठाना शुरू कर दिया। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के लगातार पाटन के कारण घरेलू उद्योग के नकद लाभ में काफी गिरावट आई है और इसके फलस्वरूप जांच अविध के दौरान नकदी हानि हुई है।

(v) लगाई गई पूंजी पर प्रति लाभ

62. लगाई गई पूंजी पर प्रति लाभ में भी वह रूझान रहा जो लाभ और नकदी लाभ का था। जांच अवधिके दौरान आर ओ सी ई में पूर्व वर्षों की त्लना में काफी गिरावट आई है।

इकाई	इकाई	2010-11	2011-12	2012-13	जांच अवधि (जन. – दिसं.'13)
पीबीआईटी	लाख रुपए	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	3	(26)	(177)
आरओसीई	%	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	1	(19)	(92)

63. उपर्युक्त सारणी से यह देखा जा सकता है कि घरेलू उद्योग 2010-11 के दौरान लाभ अर्जित कर रहा था। यह कहा गया है कि संबद्ध देशों से भारी पाटन होने के कारण घरेलू उद्योग लागत की वसूली में असमर्थ है और इसके परिणामस्वरूप वर्ष 2011-12 के दौरान नुकसान उठाना पड़ा। जांच अविध के दौरान तो स्थिति बहुत ही नाजुक हो गई जब भारी मात्रा में नुकसान हुआ। घरेलू उद्योग का मत है कि घरेलू उद्योग के लिए विचाराधीन उत्पाद के प्रचालन को जारी रखने के लिए कोई निवेश जुटा पाना किठन होगा। साथ ही, यदि पाटन और भी बढ़ता है तो नकारात्मक नकदी प्रवाह भी बढ़ जाएगा और घरेलू उद्योग अपने ऋण को उतारने की स्थिति में नहीं होगा।

(vi) **विकास**

64. घरेलू उद्योग के विभिन्न आर्थिक मानदंडों की जांच करने पर प्राधिकारी ने यह नोट किया कि वर्ष-दर-वर्ष आधार पर, जबकि उत्पादन ने 2011-12 में नकारात्मक रूझान दिखाया है लेकिन जांच अविध के दौरान सुधार दिखाया है । घरेलू बिक्रियों में 2011-12 के दौरान गिरावट आई है लेकिन उसके बाद सुधार दिखाया है । बिक्री की लागत में 2012-13 में गिरावट आई है लेकिन जांच अविध के दौरान पुन: वृद्धि हुई है । बिक्री मूल्य और लाभ/हानि में समग्र क्षति अविध के दौरान नकारात्मक विकास का रूझान दिखाया है ।

विवरण	इकाई	2010-11	2011-12	2012-13	जांच अवधि
उत्पादन	%	-	***	***	***
घरेलू बिक्री मात्रा	%	-	***	***	***
बिक्री की लागत	%	-	***	***	***
बिक्री कीमत	%	-	***	***	***
लाभ/हानि प्रति इकाई	%	-	***	***	***

(vii) <u>प्ंजी निवेश जुटाने की क्षमता</u>

65. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि देश में उत्पाद की बढ़ती मांग को देखकर घरेलू उद्योग के संयंत्र और मशीनरी में निवेश किया है । तथापि, इन निवेशों के बावजूद घरेलू उद्योग के निष्पादन में काफी गिरावट आई है और आगे का निवेश प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुआ है ।

(viii) <u>घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक</u>

66. जैसा कि इस याचिका में अन्यत्र कहा गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुओं की गुणवत्ता आयातित वस्तुओं के समान ही है । घरेलू उद्योग के पास भारतीय मांग को पूरा करने की पर्याप्त क्षमता है इसीलिए सामग्री की उपलब्धता की कोई समस्या नहीं है । सुर्पुदगी की समस्याएं भी लगभग न के बराबर है । अत: यहां तक कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध उत्पाद के लिए बाजार की स्थिति अनुकूल है, फिर भी घरेलू उद्योग अपनी अधिकतम क्षमता से संचालित नहीं हो रहा । ऐसी स्थिति उत्पन्न होने का कारण देश में भारी मात्रा में कम कीमत पर आ रहे पाटित निर्यात का होना है। कई भारतीय ग्राहक देश में आ रहे आयातित समान की कीमत उद्धृत कर रहे हैं और घरेलू उद्योग से आयातित कीमतों के अनुकूल मूल्य के बारे में पूछते हैं जो कारक घरेलू उद्योग को प्रतिकूल प्रभावित करते हैं वे आयातों की मात्रा और ऐसी कीमत जिस पर देश में आतित सामान प्रवेश करता है।

(ix) <u>पाटन की मात्रा और मार्जिन</u>

67. संबद्ध देशों से आ रहे आयात पाटन मार्जिन के न्यूनतम स्तर से बहुत ऊपर हैं । संबद्ध देशों के लिए पाटन मार्जिन काफी महत्वपूर्ण है । इतनी अधिक मात्रा में पाटन मार्जिन के साथ, पाटित आयात के कारण घरेलू उद्योग को सामग्री की क्षिति हुई है । घरेलू उद्योग का यह कहना है कि वर्तमान स्थिति काफी अनिश्चित है और यदि देश में वर्तमान पाटन मार्जिन स्तर पर आयात का प्रवेश होता रहा तो घरेलू उद्योग को और भी अधिक क्षित होने की संभावना है।

क्षिति पर निष्कर्ष

68. उपर्युक्त के आधार पर प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के कारण भारत से संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन और खपत के संबंध में और समग्र तौर पर वृद्धि हुई है ।उत्पाद का आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को कम कर रहा था । इसके अलावा,यद्यपि क्षति अविध में उत्पादन की लागत बढ़ती रही लेकिन बिक्री मूल्य गिरता गया । अत: आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतें गिर रही थी और कीमत में वृद्धि को रोक रही थी जो पाटित आयातों के न होने पर अन्यथा नहीं होता। घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव के फलस्वरूप यह उल्लेख किया गया है कि यद्यपि उत्पाद की मांग में काफी वृद्धि हुई लेकिन घरेलू उद्योग के

उत्पादन और बिक्री में गिरावट आई क्योंकि बाजार में पाटित आयात में वृद्धि हुई थी । परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग ने बाजार की हिस्सेदारी खो दी जिसके चलते अन्य निष्पादन मानदंड भी प्रभावित हुए ।

69. प्राधिकारी ने उल्लेख किया कि घरेलू उद्योग को पाटित आयातों की मात्रा व मूल्य संबंधी प्रभाव के संबंध में क्षिति का सामना करना पड़ा जिसके कारण घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई है । लगाई गई पूंजी पर प्रतिलाभ और नकदी लाभ में भी लाभ की तरह का रूझान रहा । लगाई गई पूंजी और नकदी लाभ दोनों ही जांच अविध के दौरान नकारात्मक हो गए । इस प्रकार से अधिकतर मानदंडों, जैसे लाभ, नकद लाभ, लगाई गई पूंजी पर लाभ, बाजार हिस्सा तथा वस्तु सूची इत्यादि के संबंध में विकास ने घरेलू उद्योगों पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है । अतः विकास प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि घरेलू उद्योग को सामग्री क्षति हुई है ।

छ. अन्य ज्ञात कारक और कारणात्मक संबंध

70. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध इस पकार हैं :-

इंडियन पेंट एसोसिएशन द्वारा अनुरोध

- क. घरेलू उद्योग को क्षति और चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है।
- ख. याचिकाकर्ता की उत्पादन लागत, चीन जन.गण. से उत्पादकों की तुलना में अधिक है क्योंकि याचिकाकर्ता कच्चा माल आयात करता है जबकि में उत्पादक उसे स्थानीय तौर पर प्राप्त करते हैं ।
- ग. इसके अलावा मैसर्स सिनिक कैमिकल्स (शंघाई) कं. लि. निर्यातक के पास किफायतता का पैमाना है जिसके कारण उसकी उत्पादन लागत कम है। यह तर्क दिया गया था कि घरेलू उद्योग को क्षति का कारण निर्यातों में गिरावट और अधिक ब्याज दर का होना है, जो कारणात्मक संबंधों को तोड़ता है।

घरेल् उद्योग के अनुरोध

- क. याचिकाकर्ता यह समझने में असमर्थ रहा कि चीन जन.गण. से आयात उत्पादकों/निर्यातकों की ओर से किस स्थान के प्रतिवादी को तर्क करना है खासकर सिनिक से । प्रतिवादी का तर्क है कि सिनिक के पास किफायतता पैमाना है और इसीलिए सिनिक की उत्पादन लागत कम है । सिनिक ने सार्वजनिक सुनवाई में इस संबंध में कोई अनुरोध भी नहीं किया था । स्पष्ट रूप से प्रतिवादी का ऐसा अनुरोध करने का कोई अधिकार नहीं है ।
- ख. वास्तव में, याचिकाकर्ता के निर्यात में 2011-12 से जांच की अवधि में वृद्धि हुई है।
- ग. 2011-12 में ब्याज की लागत प्रति इकाई 100 सूचकांक थी, जो जांच अविधि में थोड़ी बढ़कर 116 सूचकांक हो गई।
- घ. निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा आंकड़ों का विधिवत सत्यापन किया गया है और ये आंकड़े घरेलू उद्योग को सामग्री क्षति होने को दर्शाते हैं।

प्राधिकारी द्वारा जांच

71. प्राधिकारी ने जांच की है कि क्या पाटनरोधी नियमों के तहत सूचीबद्ध अन्य कारणों ने घरेलू उद्योग को हुई क्षिति में योगदान दिया है । घरेलू उद्योग को पाटन और सामग्री क्षिति के बीच कारणात्मक संबंध की जांच इस प्रकार की गई है :-

तीसरे देशों से आयात

क. संबद्ध देशों के अलावा अन्य देशों से आयात मात्रा की दृष्टि से इतना अधिक नहीं है कि घरेलू उद्योग को क्षिति पहुंचा सके या क्षिति का कारण हो सके और अमरीका के मामले मे कीमतें घरेलू उद्योग की क्षितिरहित कीमतों से काफी अधिक हैं । इसके अलावा भी जिस कीमत पर अन्य देशों से माल आ रहा है वह संबद्ध देशों से आ रहे माल से बहुत अधिक है ।

मांग में संकुचन

ख. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं के लिए मांग ने क्षति अविध के दौरान काफी सुधार दिखाया है। इसमें आधारित वर्ष और पूर्व वर्ष से जांच अविध में वृद्धि हुई है। मांग संभावित संकुचन के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई।

विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच व्यापार प्रतिबंध प्रथा और प्रतिस्पर्धा

ग. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कोई भी व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथा नहीं है जो कि घरेलू उद्योग को क्षति के लिए योगदान दे सके ।

प्रौद्योगिकी का विकास

घ. प्राधिकारी ने यह नोट किया कि घरेलू उद्योग द्वारा अपनाई गई प्रौद्योगिकी समूचे विश्व में उत्पादकों द्वारा अपनाई गई प्रौद्योगिकी के अनुसार ही है । भारतीय उत्पादकों और विदेशी उत्पादकों की निर्माण प्रक्रिया में कोई अधिक अंतर नहीं है । वास्तव में घरेलू उत्पादक कुछ समय से उत्पाद का निर्माण कर रहे और उत्पादन की प्रौद्योगिकी उचित आय से स्थापित की गई है । इसके अलावा, प्रयोक्ता उद्योग प्रौद्योगिकी के प्रति उदासीन हैं इसलिए प्रौद्योगिकी में किसी अंतर का होना घरेलू उद्योग को क्षति का कारण नहीं है ।

खपत की पद्धति में परिवर्तन

ड. घरेलू उद्योग भारत में आयातित वस्तुओं की तरह की वस्तुओं का उत्पादन कर रहे हैं । खपत की पद्धित में संभावित परिवर्तन ऐसे कारक नहीं हैं कि यह घरेलू उद्योग को क्षति का कारण हो सके ।

निर्यात निष्पादन

च. घरेलू उद्योग को दावा की गई क्षिति, घरेलू उद्योग की निर्यात निष्पादन में संभावित महत्वपूर्ण गिरावट के कारण नहीं है । वस्तव में घरेलू उद्योग के निर्यात में भारी गिरावट नहीं है । किसी भी तरह से प्राधिकारी ने जहां संभव हुआ, घरेलू निष्पादन पर विचार किया है ।

अन्य उत्पादकों के संदर्भ में घरेलू उद्योग का निष्पादन

छ. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और बिक्री किए जा रहे अन्य उत्पादों का निष्पादन ने घरेलू उद्योग के निष्पादन के लिए प्राधिकारी द्वारा किए गए आकलन को प्रभावित नहीं किया है। प्राधिकारी द्वारा जिस सूचना पर विचार किया गया है, वह केवल विचाराधीन उत्पाद के संबंध में है।

घरेलू उद्योग की उत्पादकता

ज. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता का वही रूझान नहीं रहा और इसीलिए उत्पादकता में गिरावट घरेलू उद्योग को क्षति के प्रमुख कारणों में नहीं है ।

ज. कारणात्मक संबंध स्थापित करने वाले कारक

- 72. घरेलू उद्योग के निष्पादन का क्षिति अविध के दौरान विश्लेषण यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग का निष्पादन संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण गिरा है । पाटित आयात और घरेलू उद्योग को क्षिति के बीच कारणात्मक आयात और घरेलू उद्योग को क्षिति के बीच कारणात्मक संबंध स्थापित होने के निम्नलिखित कारण हैं :-
 - (क) विशेषकर स्विट्जरलैंड से आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है।
 - (ख) संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा में काफी वृद्धि ह्ई है ।
 - (ग) संबद्ध ग्राहकों ने अपनी मांग निर्यातकों की ओर बढ़ा दी है, परिणामस्वरूप कीमतों में काफी अंतर आया है । अत: कीमतों में कटौती से, आयातों की बाजार हिस्सेदारी में काफी वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी में कमी आयी है ।

- (घ) देश में पाटित आयातों की मौजूदगी घरेलू उद्योग को लागतों में वृद्धि के अनुपात में अपनी कीमतों में वृद्धि करने से रोक रही है।
- (इ.) संबद्ध आयातों से घरेलू उद्योग को बेचे गए उत्पादों की बिक्री कम हो रही है ।
- (च) लाभ, लगाई गई पूंजी पर आय तथा नकद लाभ में गिरावट होना पाटित आयातों के प्रत्यक्ष परिणाम के कारण है।
- (छ) क्षति अविध के दौरान पाटित आयातों की बाजार हिस्सेदारी में वृद्धि हुई है।
- (ज) भारी कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री के आंकड़ों से घरेलू उद्योग की उपयोग क्षमता में वृद्धि नहीं हुई ।
- झ. कीमतों से संबंधित अनेक आर्थिक मानदंडों के संबंध में घरेलू उद्योग का विकास नकारात्मक हो गया है।
- 73. उपरोक्त आधार पर, पाटित आयातों और घरेलू उद्योग की क्षिति के बीच कारणात्मक संबंध होना स्पष्ट रूप से सिद्ध होता है कि इस प्रकार प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि घरेलू उद्योग को संबंद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित वस्तुओं के पाटित आयात के कारण भारी क्षिति का सामना करना पड़ा ।

झ. <u>क्षति की मात्रा और क्षति मार्जिन</u>

74. प्राधिकारी ने यथासंशोधित नियमों में विनिर्दिष्ट सिद्धांतों के अनुसार घरेलू उद्योग के लिए क्षिति रहित कीमत निर्धारित की है । इस प्रकार से निर्धारित क्षिति रहित कीमतों की संबद्ध देशों से आयातों की पहुंच कीमत के साथ तुलना की गई है । संबद्ध देशों से सभी उत्पादकों तथा निर्यातकों के लिए क्षिति मार्जिन का प्राधिकारी द्वारा सुलभ तथ्यों के आधार पर निर्धारण किया गया है ।

क्षति मार्जिन

			एनआईपी	पहुंच मूल्य	क्षति	. 0	क्षति
उद्गम का देश	उत्पादक	निर्यातक	(अम.डा./ किग्रा.)	((अम.डा./िक ग्रा.)	मार्जिन (अम.डा./िक ग्रा.)	क्षति मार्जिन (%)	मार्जिन (%) रेंज
चीन जन.गण.	सिनिक	सिनिक	***	***	***	***	35-45
	कैमिकल कंपनी	कैमिकल कंपनी					
	लि., शंघाई	लि., शंघाई					
चीन जन.गण.	अन्य	अन्य		***	***	***	40-50
स्विट्जरलैंड	कोई	कोई	***	***	***	***	30-40

ट. <u>प्रकटीकरण के उपरांत विवरण/अनुरोध</u>

किए गए अनुरोध और उठाए गए प्रश्न वही हैं जो कि पहले उठाए जा चुके हैं और उन पर इस जांच परिणाम में कार्रवाई की जा चुकी है। तथापि, विरोधकर्ता पक्षकारों की स्पष्टता और संतुष्टि के लिए उनका पुन: ब्यौरा दिया जा रहा है।

निर्यातकों और आयातकों द्वारा प्रकटीकरण के उपरांत विवरण

75. सिनिक ने यह तर्क दिया है कि नियमावली के नियम 2 ख के तहत परिभाषा में केवल विचाराधीन उत्पाद के घरेलू उत्पादक ही शामिल हैं। जबिक ईओयू इस शर्त को एक घरेलू उद्योग के रुप में मानने पर संतुष्ट नहीं है। यह स्पष्ट तौर पर सिद्ध हो चुका है कि ईओयू डीटीए में अपना उत्पाद 50% की सीमा से अधिक तक बेच सकती है लेकिन बिक्री पूर्ण सीमा शुल्क का भुगतान करने की शर्त पर होगी बशर्ते किईओयू ने सकारात्मक एनएफई प्राप्त कर लिया हो। यह विश्लेषण इस बात का

निष्कर्ष निकालने के लिए पर्याप्त है कि किसी ईओयू को पाटन रोधी नियमावली के प्रयोजन से घरेलू उद्योग नहीं माना जा सकता।

- 76. सिनिक होल्डिंग हांग कांग में स्थित है और विचाराधी उत्पाद के निर्माण में नहीं लगी है इसलिए निर्यातक प्रश्नावली अथवा एमईटी प्रश्नावली का प्रत्युत्तर दाखिल करना अपेक्षित नहीं है। इसके अलावा सिनिक कैमिकल्स (टैक्सिंग) कं. लि. यद्यपि पिगमैंट के निर्माण में लगी है लेकिन भारत को विचाराधीन उत्पाद का निर्यात नहीं कर रही है। अत: यह सिद्ध हो जाता है कि वर्तमान जांच के प्रयोजन से कोई भी संबद्ध कंपनी [सिनिक कैमिकल्स (शंघाई) कं. लि. को छोड़कर], भारत को विचाराधीन उत्पाद का निर्माण और निर्यात नहीं कर रही है। अत: किसी भी संबद्ध कंपनी द्वारा एमईटी प्रश्नावली का प्रत्युत्तर दाखिल करना अपेक्षित नहीं है। इसके अलावा यह भी कहा जाता है कि माननीय प्राधिकारी ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि कानून के किस प्रावधान के तहत समूह कंपनियां या मूल कंपनी जो चीन में स्थित नहीं हैं या भारत को विचाराधीन उत्पाद के निर्यात में नहीं लगी हैं उन्हें एमईटी प्रश्नावली या निर्यातक प्रश्नावली का प्रत्युत्तर दाखिल करना होगा।
- 77. सिनिक ने कच्चे माल के आपूर्तिकर्ताओं के साथ संबंधों का ब्यौरा प्रदान किया है और साथ ही यह कहा है कि कच्चे माल के सभी आपूर्तिकर्ता निजी कंपनियां हैं और सिनिक द्वारा निजी कंपनियों या स्थानीय/क्षेत्रीय प्राधिकारी के साथ कोई लेन देन नहीं किया गया । सिनिक ने निर्यातक प्रश्नावली के अंतर्गत अपेक्षित सभी कच्ची सामग्रियों की लागत का ब्यौरा भी प्रदान किया है ताकि इसकी अंतर्राष्ट्रीय रुप से स्वीकृत कीमतों से तुलना की जा सके । माननीय प्राधिकारी से अनुरोध किया जाता है कि एमईटी और ईक्यू प्रश्नावली में प्रस्तुत समस्त सूचना को कच्ची सामग्रियों की कीमतों के मामले में संतुष्टि के लिए विचार किया जाए । जल, भाप, प्राकृतिक गैस और बिजली जैसी सेवाओं के संबंध में, जिनकी आपूर्ति स्थानीय प्राधिकरणों/सरकारी उपक्रमों/संयुक्त उद्यमों द्वारा की जाती है, सिनिक ने यह कहा है कि किसी भी संगठित अर्थव्यवस्था में पानी, गैस, बिजली इत्यादि जैसी दैनिक जरुरतों को सरकारी एजेंसियों द्वारा वितरित एवं नियंत्रित किया जाता है । भारत जैसे किसी अन्य देश की तरह सभी बुनियादी सेवाएं केवल केन्द्र या राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जाती हैं । अत: यह टिप्पणी कि दैनिक सेवाओं की कीमतें बाजार द्वारा संचालित नहीं होती, अनुचित है और इस पर पुन: विचार किए जाने की जरुरत है ।
- 78. इसके अलावा गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के मामले में सामान्य कीमत का निर्धारण (क) बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमतें; अथवा (ख) बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की संविदा लागत कीमतें; अथवा (ग) किसी ऐसे तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों को कीमतें या जहां किसी अन्य उचित आधार पर यह संभव नहीं है तो समान उत्पाद के लिए भारत में भुगतान की गई या भुगतान की जाने वाली कीमतों के आधार पर किया जाएगा। उपरोक्त पैरा में उच्चतम न्यायालय द्वारा की गई आपत्तियों के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी की यह जिम्मेदारी है कि सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजन से पहले प्रतिनिधि देश का विकल्प देखा जाए। जैसा कि प्रकटीकरण विवरण में दिया गया है इसने केवल याचिकाकर्ता का तर्क स्वीकार किया है। इसके अलावा नियमावली के अनुबंध के खंड 7में यह स्पष्ट प्रावधान है कि "जांच के पक्षकारों को बिना अनुचित विलंब किए बाजार व्यवस्था वाले तीसरे देश के उपरोक्त चयन के बारे में सूचित किया जाएगा और अपनी टिप्पणी देने का पर्याप्त समय दिया जाएगा।" उक्त प्रावधान को देखते हुए किए जाने वाले विश्लेषण के अभाव में और उच्चतम न्यायालय के नोट को देखते हुए, आकलित सामान्य मूल्य गलत है जो पाटन मार्जिन की गणना में त्रृटि और अन्य कारकों के कारण है।
- 79. आयातकों के एसोसिएशन की ओर से यह दावा किया गया है कि अनुबंध 4, जिसमें एनआईपी की गणना की प्रद्धित के ब्यौरों का उल्लेख है, उपलब्ध नहीं कराया गया है और यह भी स्पष्ट नहीं कि क्या उत्पादन लागत के विभिन्न घटकों पर उदाहरण के लिए प्रतिलाभ की दर या आवेदक के व्यय के आबंटन पर, एनआईपी की गणना करते समय विचार किया गया है।
- **80.** आयातक ने यह कहा है कि क्षिति विश्लेषण स्पष्ट रुप से यह दर्शाता है कि चीन जन. गण. से विचाराधीन उत्पाद के आयात के संबंध में कोई कीमत कटौती मौजूद नहीं है। इसके अलावा आवेदक के आकड़े यह सिद्ध करते हैं कि घरेलू बिक्री कीमत में काफी वृद्धि हुई है इसका अर्थ है कि आवेदन अपने उत्पाद के लिए उचित कीमत पाने में समर्थ रहा है। अत: इससे भी चीन जन. गण. के संबंध में कारणात्मक संबंध टूटता है। इसके अलावा प्रतिवादी का पुन: यह कहना है कि आवेदक

विचाराधीन उत्पाद का एकमात्र निर्माता है और साथ ही एक ईओयू भी है तथा अपना 60% -76% तक उत्पाद निर्यात कर रहा है । ऐसी परिस्थिति में पाटन रोधी शुल्क की सिफारिश उपयोक्ता उद्योग के हित में अत्यंत अन्यायपूर्ण होगी और इसीलिए प्रतिवादी का निवेदन है कि वर्तमान जांच में पाटन रोधी शुल्क लगाने के लिए कोई सिफारिश न की जाए।

घरेलू उद्योग द्वारा प्रकटीकरण के उपरांत विवरण का अनुरोध

- **81.** विदेश व्यापार नीति को देखते हुए यह कहा जाता है कि आवेदक पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (ख) और 5 (3) की अपेक्षाओं को पूरा करता है । स्पष्ट रुप से यह पाया गया है कि आवेदक पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (ख) के तात्पर्य से "घरेलू उद्योग " है ।
- **82.** प्राधिकारी ने मैसर्ज सिनिक कैमिकल्स कंपनी लिमिटेड शंघाई के बाजार अर्थव्यवस्था के दावों को उचित रुप से अस्वीकार किया है, निर्यातक गैर बाजार अथ्रव्यवस्था की स्थिति में प्रचालन करता रहेगा और वह बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा पाने के लिए पात्र नहीं है।
- **83.** प्राधिकारी ने चीन जन. गण. और स्विटजरलैंड से सभी निर्यातकों उत्पादकों के लिए पाटन मार्जिन का सही निर्धारण किया है।
- **84.** प्राधिकारी ने उचित निष्कर्ष दिया है कि घरेलू उद्योग ने संबद्ध देशों के मूल से या वहां से निर्यातित वस्तुओं के आयातों के कारण सामग्री क्षति का सामना किया है।
- **85.** निर्दिष्ट प्राधिकारी का यह उचित निष्कर्ष है कि पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को क्षति के बीच कारणात्मक संबंध मौजूद है। अत: प्राधिकारी ने यह उचित निष्कर्ष दिया है कि घरेलू उद्योग ने संबद्ध देशों के मूल से या वहां से निर्यातित वस्तुओं के आयातों के कारण सामग्री क्षति का सामना किया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- **86.** घरेलू उद्योग के क्षेत्र और आधार के संबंध में वर्तमान जांच के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध विशेषकर यह अनुरोध कि याचिकाकर्ता एक 100 % ईओयू है, की प्राधिकारी द्वारा इस जांच परिणाम के पैरा 13-15 में विस्तार से जांच की गई थी। उचित जांच के बाद प्राधिकारी यह मानते हैं कि आवेदक पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (ख) और 5 (3) की अपेक्षाओं को पूरा करता है और नियम 2 (ख) के तात्पर्य से घरेलू उद्योग रहेगा।
- 87. एम ई टी दर्जा प्रदान करने के लिए मै. सिनिक कैमिकल्स (शंघाई) कंपनी लिमिटेड के अनुरोध के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी ने सहायक कंपनियों और समूह कंपनियों के ब्यौरों के बीच संबंध के बारे में प्राधिकारी की समुक्तियों के संबंध में कोई साक्ष्यांकित दस्तावेज के साथ संतोषजनक टिप्पणियां नहीं की हैं। इसके अलावा, वे यह सिद्ध नहीं कर पाए हैं कि क्या विभिन्न कच्ची सामग्रियां प्रचलित अंतर्राष्ट्रीय बाजार कीमतों के साथ तुलनीय हैं। कंपनी ने स्वीकार किया है कि जल, भाप, प्राकृतिक गैस और बिजली जैसी सुविधाओं को स्थानीय प्राधिकरणों/सरकारी उपक्रमों/संयुक्त उद्यमों द्वारा आपूर्तित किया जाता है। इसलिए ये बाजार चालित कीमतें नहीं होती हैं। इसके अलावा, निवेशकों और शेयरधारकों की निधि के स्रोत नहीं बताए गए हैं। प्राधिकारी द्वारा यह देखा गया है कि सिनिक कैमिकल्स (शंघाई) कं. लि., चीन जन.गण. सिनिक होल्डिंग्स लि., हांगकांग की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है जो बाद में सिनिक समूह जो दो कंपनियों अर्थात एवर स्ट्रेटिजी इंटरनेशनल लि. (ब्रिटिश वर्जिन आईलैंड) और वर्चुला टेक्नोलॉजी मार्केटिंग सेंटर, स्विटजरलैंड जिनकी शेयरधारिता क्रमशः 78 प्रतिशत और 22 प्रतिशत है, के स्वामित्व में है। एवर स्ट्रेटिजी इंटरनेशनल लि. (ब्रिटिश वर्जिन आईलैंड), श्री वांग यीकाई के पूर्ण स्वामित्व में है और वर्चुला टेक्नोलॉजी मार्केटिंग सेंटर, स्विटजरलैंड श्री यूसेंग याओ के पूर्ण स्वामित्व में है। इसके अलावा सिविक होल्डिंग्स लि0 हांगकांग के पास सिनिक कैमिकल्स (टाइजिंग) कं. लि., चीन जन.गण. जो जांच अविध के दौरान पिगमेंट विनिर्माण में शामिल रही है, का स्वामित्व है। सिनिक कैमिकल्स (शंघाई) कं. लि., चीन जन.गण. और सिनिक कैमिकल्स (टाइजिंग) कं. लि., चीन जन.गण. सहयोगी कंपनियां हैं। दोनों समह कंपनी और सहयोगी कंपनी ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है।
- 88. प्राधिकारी नोट करते हैं कि गैर बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति के संदर्भ में विचार के लिए उत्पन्न मूल मुद्दा इस प्रकार निवेशित पूंजी के लिए निधि के स्रोत और पूंजीगत निवेश के साथ स्वामित्व ढांचे की सक्षमता का है । निर्यातक इतने बड़े निवेश के लिए निधि के स्रोत को सिद्ध नहीं कर सका है । इसके मद्देनजर प्राधिकारी मानते हैं कि

सिनिक कैमिकल्स (शंघाई) कं. लि., चीन जन.गण. गैर बाजार अर्थव्यवस्थाओं में प्रचालनरत है और वे सिनिक कैमिकल्स (शंघाई) कं. लि., चीन जन.गण. को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं कर सकते हैं।

- **89.** किसी भी हितबद्ध पक्ष ने सामान्य मूल्य के परिकलन के लिए सुझाव नहीं दिया और आकड़ों को नहीं बताया है। चीन के मामले में ऐसा सबसे उचित तीसरा देश जिसके लिए आंकड़े उपलब्ध है, भारत है। अत: अंतर्राष्ट्रीय कच्ची सामग्री की कीमतों और घरेलू उद्योग की अन्य लागतों के आधार पर सामान्य मूल्य का परिकलन करके प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य निर्धारित करने के अपने दायित्व को पूरा किया है। इसको देखते हुए निर्यातक की इस दलील का कोई आधार नहीं है।
- 90. प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण में स्पष्ट रूप से बताया है कि घरेलू उद्योग के लिए क्षित रहित कीमत को नियमावली में निर्धारित सिद्धांतों के आधार पर निर्धारित किया गया है। एन आई पी को पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध—III में रेखांकित सिद्धांतों के अनुसार परिकलित किया गया है जिसकी प्रतिवादी आयातक को पूरी जानकारी है। तत्पश्चात इस पद्धित का ब्यौरा भी उन्हें बताया गया है। अत: प्रतिवादी आयातक की यह आशंका कि उन्हें पद्धित के समस्त पहलुओं की जानकारी नहीं है, निराधार है।

ट. निष्कर्ष

- 92. पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि:
 - क. संबद्ध देशों से भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात उसके समान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है;
 - ख. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
 - ग. घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयतों के कारण हुई है ।
 - घ. क्षति संबद्ध देशों से आयातों के संचयी प्रभाव के कारण हुई है।

ठ. भारतीय बाजार के हित एवं अन्य मुद्दे

93. प्राधिकारी मानते हैं कि भारत में उत्पाद के कीमत स्तर पर प्रभाव पड़ सकता है।

हालांकि भारतीय बाजार में स्वच्छ प्रतिस्पर्धा को पाटनरोधी उपायों द्वारा कम नहीं किया जायेगा। इसके विपरीत पाटनरोधी उपायों को लागू करने से पाटन प्रथाओं द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का ह्रास नियंत्रित होगा और संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं को अपेक्षाकृत अधिक विकल्प की उपलब्धता को बनाये रखने में मदद मिलेगी। उपभोक्ता अब भी आपूर्ति के दो या उससे अधिक स्नोत बनाए रख सकते हैं।

94. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्य तौर पर पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य पाटन की गलत व्यापार प्रथाओं द्वारा घरेलू उद्योग को हुई हानि को दूर करना है ताकि भारतीय बाजार में स्वतंत्र और स्वच्छ प्रतिस्पर्धा की स्थिति को पुन: स्थापित किया जा सके जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपायों को लागू करने से किसी भी प्रकार से संबद्ध देशों से आयात में रुकावट नहीं आयेगी और इसलिए यह उपभोक्ताओं को इस उत्पाद की उपलब्धता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालेगा।

ड सिफारिशें

95. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह जांच शुरू की गई थी और इसे सभी हितबद्ध पक्षकारों को अधिसूचित किया गया था और निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, हानि और कारणात्मक संबंध के पहलुओं पर सकारात्मक सूचना देने के लिए पर्याप्त अवसर दिये गये थे। पाटन, हानि और उसके पाटनरोधी नियमावली के संबध में कारणात्मक संबंध की जांच शुरू करने तथा इस प्रकार से पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई सकारात्मक पाटन मार्जिन और वास्तविक हानि को सिद्ध करने के बाद, प्राधिकारी का यह मत है कि पाटन और क्षति की प्रतिपूर्ति करने के लिए पाटनरोधी शुल्क को लगाना अपेक्षित है। अत: प्राधिकारी नीचे दिये गये निर्धारित रूप में और तरीके से संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करने को आवश्यक समझते हैं।

96. प्राधिकारी द्वारा अपनाये जाने वाले अपेक्षाकृत कमतर शुल्क के नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और हानि मार्जिन में से जो भी कम है उसके बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त किया जा सके। तदनुसार, नीचे दी गई तालिका के कॉलम 9 में उल्लिखित राशि के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क संबद्ध देशों/क्षेत्रों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर लगाने की सिफारिश की जाती है।

	शुल्क तालिका								
क्र.सं.	टैरिफ मद	वस्तुओं का विवरण	विनिर्देशन	उद्गम का देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि (अम.डॉ. में)	माप की इकाई
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	32041739	डाइकिटोपाइरोलो पाइरोल पिगमेंट रेड 254 (डीपीपी रेड 254)	कोई भी विर्निदेशन	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	सिनिक कैमिकल कं. लि., शंघाई	सिनिक कैमिकल कं. लि., शंघाई	6.26	किग्रा
2.	32041739	डाइकिटोपाइरोलो पाइरोल पिगमेंट रेड 254 (डीपीपी रेड 254)	कोई भी विर्निदेशन	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	उपर्युक्त छोडकर समुच्चय	1 को कोई	7.58	किग्रा
3.	32041739	डाइकिटोपाइरोलो पाइरोल पिगमेंट रेड 254 (डीपीपी रेड 254)	कोई भी विर्निदेशन	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.को छोडकर कोई भी	कोई	कोई	7.58	किग्रा
4.	32041739	डाइकिटोपाइरोलो पाइरोल पिगमेंट रेड 254 (डीपीपी रेड 254)	कोई भी विर्निदेशन	संबद्ध देशों को छोडकर कोई भी	चीन जन.गण.	कोई	कोई	7.58	किग्रा
5.	32041739	डाइकिटोपाइरोलो पाइरोल पिगमेंट रेड 254 (डीपीपी रेड 254)	कोई भी विर्निदेशन	स्विट्जरलैंड	स्विट्जरलैंड	कोई	कोई	3.61	किग्रा
6.	32041739	डाइकिटोपाइरोलो पाइरोल पिगमेंट रेड 254 (डीपीपी रेड 254)	कोई भी विर्निदेशन	संबद्ध देशों को छोडकर कोई भी	स्विट्जरलैंड	कोई	कोई	3.61	किग्रा
7.	32041739	डाइकिटोपाइरोलो पाइरोल पिगमेंट रेड 254 (डीपीपी रेड 254)	कोई भी विर्निदेशन	स्विट्जरलैंड	स्विट्जरलैंड को छोडकर कोई भी	कोई	कोई	3.61	किग्रा

97. अधिसूचना के प्रयोजन से आयातों की पहुंच कीमत, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का क्रमांक 52) के तहत सीमाशुल्क द्वारा यथानिर्धात आकलनीय मूल्य होगा और इसमें उक्त अधिनियम की धारा 3, 3क, 8ख, 9 तथा 9क के तहत शुल्कों को छोड़कर सीमाशुल्क के सभी शुल्क शामिल हैं।

98. इस अंतिम जांच परिणाम के बाद जारी केन्द्र सरकार के आदेश के खिलाफ कोई भी अपील सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष दायर की जा सकेगी।

जे. के. दादू, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th June, 2015

(Final Findings)

Subject: Anti-dumping duty investigation in the matter relating to import of Diketopyrrolo Pyrrole Pigment Red 254 (DPP Red 254) originating in or exported from China PR and Switzerland.

- 1. **No.14/8/2014-DGAD.—**Whereas having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules,1995 thereof, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Rules); M/s. Heubach Colour Private Limited (hereinafter referred to as the "applicant" or "petitioner" or domestic industry") filed an application, alleging dumping of Diketopyrrolo Pyrrole Pigment Red 254 (DPP Red 254) (herein after referred to as subject goods) originating in or exported from China PR and Switzerland (herein after referred to as subject countries) for initiation of anti-dumping duty investigation into dumped imports of the subject goods and resultant injury to Domestic Industry and for levy of anti-dumping duties on the subject goods originating in or exported from the subject countries.
- 2. And whereas, the Authority on the basis of sufficient evidence, submitted by the applicant issued a Notification No. 14/8/2014-DGAD dated 20th June 2014, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigations concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, in accordance with sub-Rule 5(5) of the Rules, to determine the existence, degree and effect of the alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

A. **PROCEDURE**

- 3. The procedure described below has been followed by the Authority in the present investigation:
- a. The Authority notified the Embassies of the subject countries in India about the receipt of application before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-Rule5 (5) of the AD Rules.
- b. The Authority issued a notification dated 20th June 2014 published in the Gazette of India Extraordinary, initiating anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods from the subject counties.
- c. The Authority forwarded a copy of the notification to all known exporters (whose details were made available by the applicant) and gave them opportunity to make their views known in writing in accordance with the Rule 6(2) of the AD Rules.
- d. The Authority also forwarded a copy of the notification to all the known importers of the subject goods in India and advised them to make known their views in writing within forty days from the date of the letter.
- e. The Authority provided a copy of the non-confidential version of application to the known exporters and the Embassy of the People's Republic of China and Embassy of Switzerland in India in accordance with Rule 6(3) of the AD Rules. A copy of the application was also provided to other interested parties, wherever requested.
- f. The Authority sent questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters and manufacturers in the subject Countries, including Market Economy Treatment (MET) Questionnaire in case of China, in accordance with Rule6(4) of the AD Rules:

CHINA PR	SWITZERLAND
CINIC CHEMICALS (SHANGHAI) CO LTD, 1730,	BASF SCHWEIZ AG
HUILLAN ROAD, QINGPU INDUSTRIAL CO LTD	BWU LK-26,P
SHANGHAI, 201707, P.R. CHINA	KLYBECKSTRASSE 141
TEL NO. 86 21 52 40 0178	PHONE NO: 00800- 33 0000 33

- g. In response to the initiation notification, only one producer/exporter from China, M/s Cinic Chemicals (Shanghai) Co. Ltd., China PR has filed the questionnaire response including MET response.
- h. Questionnaires were sent to the following known importers/users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule6(4) of the AD Rules:

Importers	Address
	KRM Centre, 9 th Floor, East Wing,
Nippon Paint (India) Pvt Ltd	No.2, Harrington Road, Chetpet,
Nippon Faint (india) F Vt Ltd	Chief Executive:
	Tel: 044 42982222
	Email: tu@nipponpaint.co.in
Kansai Nerolac Paints Ltd	Ganpatrao Kadam Marg, Lower Parel,
101, Bhawani Peth, Angarshaw Tariya	Mumbai 400 013
Pune, Maharashtra	Tel: 022- 24 93 4001/ 2499 2500
Voxco Pigments and Chemicals pvt. Ltd	A/403, Kemp Plaza, Mind space off Link Road, Malad West Mumbai India- 400064
The Indian Paint Association	2 nd Floor (Affiliated to Confederation of India Industry) 6, Netaji Subhas Road, Kolkata-700001
Berger Paints India Limited	Berger House, 129, Park Street, Kolkata-700017

- The following importers/users of the subject goods have responded in the form of questionnaire responses to the initiation of the investigation:
- 1. M/s. Akzo Nobel India Limited.
- 2. M/s. Asian Paints Limited
- 3. M/s. Kansai Nerolac Paints Company Ltd.
- 4. M/s. PPG Asian Paints Private Limited
- 5. M/s. Soujanya Color Pvt Ltd
- 6. M/s. VOXCO Pigment and Chemical Pvt Ltd
- j. Further Indian Paint Association ("IPA") has also filed submissions on the initiation notification.
- k. Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties. Submissions made by all interested parties have been taken into account in disclosure statement.
- 1. The confidentiality claims of various interested parties in respect of the data submitted by them have been examined. The information, which is by nature confidential or which has been provided on a confidential basis by the interested parties, along with non-confidential summary thereof, has been treated confidential.
- m. Further information was sought from the applicant and other interested parties to the extent deemed necessary. Verification of the domestic industry and cooperating producers/exporters was conducted to the extent considered necessary for the purpose of the investigation.
- n. The Non-injurious Price (hereinafter referred to as 'NIP') based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure- III of AD rules has been worked out so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.
- o. Investigation was carried out for the period starting from 1st January 2013 to 31st December 2013 (hereinafter referred to as the 'period of investigation' or the 'POI'). The examination of trends, in the context of injury analysis covered the period from 2010-11, 2011-12 and 2012-13 and the POI.
- p. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years, including the POI. The authority has relied upon import data procured from DGCI&S in the present investigation.
- q. The Authority held an Oral Hearing on 28th April 2015 to provide an opportunity to the interested parties to present information orally in accordance with Rule 6(6). The interested parties were allowed to present rebuttal

- arguments/rejoinders on the views/information presented by other interested parties. The Authority has considered submissions received from interested parties appropriately.
- r. The submissions made by the interested parties, arguments raised and information provided by various interested parties during the course of the investigation, to the extent the same are supported with evidence and considered relevant to the present investigation, have been appropriately considered by the Authority in this Final Findings Notification.
- s. Verification of the information and data submitted by the responding exporter and the applicant was carried out to the extent deemed necessary.
- t. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has treated such parties as non-cooperative and recorded its Final finding on the basis of the 'facts available'.
- u. A Disclosure Statement containing the essential facts in this investigation which has formed the basis of the Final Findings was issued to the interested parties on 11.06.2015. The post Disclosure Statement submissions made by interested parties have been considered and dealt with to the extent found relevant, in this Final Findings Notification.
- v. *** in this final finding represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- w. Exchange rate for conversion of US\$ to Rs. is considered for the POI as Rs. 59.36 as per exchange rates published by customs.

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

- 4. The product under consideration in the present investigation is "Diketopyrrolo pyrrole Pigment Red 254' (herein after referred as "DPP Red 254" or "subject goods" or "product concerned"). DPP Red 254 is a highly saturated medium shade red pigment with good hiding power, excellent fastness to organic solvent and outstanding light and weather fastness. The pigments are synthetic organic colors which retain their crystalline or particulate form throughout the application process. DPP Red 254 is having a brilliant shade, high color strength, opacity and saturation. The chemical name of DPP Red 254 is 3, 6-bis-(4-chlorophenyl)-2, 5-dihydro pyrrolo (3, 4- c) pyrrole ,1,4 dione. The molecular formula of DPP 254 is C18H10Cl2N2O2. The color index number of DPP Red 254 is 56110 and chemical abstract number is 84632-65-5.
- 5. DPP Red 254 may be manufactured in many different shades or variants. All variants and shades of DPP Red 254 are covered within the scope of the product under consideration. It may be sold in crude or finished forms. The product scope includes crude pigment in any form (e.g. dry powder, paste, wet cake, etc.) and finished pigment in any form; examples include press cake, dry color, pigment blends, pigment dispersions.
- 6. DPP Red 254 is widely used as a high performance pigment in waterborne paints, air drying alkyds, stoving enamels, acid curing systems, amine curing epoxies, isocyanate cured systems, power coatings, etc. DPP Red 254 is also used in automotive and industrial paint applications. It is used to obtain metallic effect finishes and for formulation of new saturated metallic shades. It is used in plastic applications especially in polyolefin's, PVC and PS where they offer excellent all round properties and outstanding heat resistance. Other uses include transportation crates, caps, blow molded containers and films. DPP Red 254 is also used in making warp-free formulations for injection molded HDPE.
- 7. The subject goods are classifiable under Chapter 32 of the Custom Tariff Act, 1975 under tariff item 32041739. DPP Red 254 is also being imported under other sub-headings such as 32041111, 32041630, 32041711, 32041719, 32041720, 32041790, 32041973, 32041984, 32049000, 32061110, and 32064990. However, the customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of this investigation.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

- 8. With regard to like articles, Rule 2(d) of the AD Rules provides as under: -
- "like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation;
- 9. With regard to the possible difference between the product sold by the exporters in the Indian market and the product sold by the domestic industry, the Authority notes that it has not been disputed by the exporters that there is any difference in the two products. After considering the information on record, the Authority holds that there is no known difference in product under consideration exported from subject countries and the product produced by the Indian industry. Product under consideration produced by the domestic industry are comparable to the imported subject product in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, functions & uses, product specifications,

distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably.

10. Also no issues were raised in respect to product under consideration by the respondents in the present investigation. Thus, the Authority proposes to hold that product under consideration produced by the applicant domestic industry is like article to the subject product under consideration in accordance with the AD Rules.

C. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING

The application was filed by M/s Heubach Colour Private Limited, a 100% EOU. The applicant submitted that it is the sole manufacturer of the subject goods in India.

Views of the Interested Opposing Parties

- 11. Interested parties inter alia stated as follows:
- a) Petitioner is a 100% EOU; it is not eligible to be a domestic industry under Rules 2(b) and 5(3) of the AD Rules.
- b) There are lots of benefits available to an EOU under the Foreign Trade Policy.
- c) If Petitioner is considered as domestic industry, it should be treated as domestic industry only to the extent of Petitioner's entitlement to sell in the domestic tariff area (hereinafter "DTA"). The entire production of DI cannot be taken as base for computing the injury.
- d) Further giving reference of the Hon'ble Supreme Court of India in the case of *Virlon Textile Mills Ltd. v. Commissioner of Central Excise, Mumbai, 2007 (211) ELT 353 (SC)* has observed that DTA sales against foreign exchange are considered as physical exports.
- e) EOU can sell its products in DTA only upon achieving positive NFE and may sell only 50% of the FOB value of exports in DTA upon payment of concessional duties.
- f) An EOU is exempt from levy of antidumping duty which may be imposed by the Central Government on the inputs/capital goods. Clearances made by DTA to an EOU are also exempt from payment of duty and treated as "Deemed Exports".
- g) The prime focus of an EOU is to export its goods and in such circumstances, the focus of an EOU is not the domestic market and therefore it cannot be said that the goods produced by the EOU are competing with the imported products.
- h) Levy of anti-dumping duty on the subject goods would be contrary to the objective for which an EOU is set-up.
- i) The Designated Authority in Ceftriaxone Disodium Hemiheptahydrate-Sterile from China PR did not consider a 100% EOU as domestic industry.
- j) Since the goods produced by an EOU are not competing with the imported products, there is no justification for providing ADD protection to the EOU units.

Views of the Domestic Industry

- 12. The domestic Industry has submitted as Follows:
- a) Being a 100% EOU, any industry receives several benefits. Even assuming without admitting that Petitioner receives any benefit by virtue of its status as 100% EOU, Petitioner's data demonstrates that it is unable to cope up with the prices of dumped imports and it is suffering material injury despite alleged benefit being received by it as a 100% EOU.
- b) The benefit of getting raw materials without payment of customs duty (available to Petitioner as a 100% EOU) is also available to normal DTA units under Advanced Authorization Scheme.
- c) The Designated Authority in its final findings in a number of investigations has held that an EOU is eligible to be a domestic industry under Rules 2(b) and 5(3) of the AD Rules. The Designated Authority in the following cases has considered an EOUs as domestic industry under Rules 2(b) and 5(3) of the AD Rules:
- (i) Solar Cells from Malaysia, China PR, Chinese Taipei and USA, Final Findings notified vide Notification No. 14/5/2012-DGAD dated 22 May 2014;
- (ii) Vitamin-A Palmitate from China PR and Switzerland, Sunset Review Final Findings notified vide Notification F. No. 15/07/2011-DGAD dated 21 August 2013;
- (iii) Alloy Road Wheels from China PR, Korea RP and Thailand, Final Findings notified vide Notification No. 14/7/2012-DGAD dated 9 June 2014;
- (iv) Polypropylene from Oman, Saudi Arabia and Singapore, Final Findings notified vide Notification No. 14/5/2009-DGAD dated 23 August 2010;

- (v) Compact Discs-Recordable (CD-Rs) from China PR, Hong Kong, Singapore and Chinese Taipei notified vide Notification No. 14/15/2005-DGAD dated 2 April 2007;
- (vi) Digital Versatile Discs-Recordable (DVD-R and DVD-RW) from China PR, Hong Kong and Chinese Taipei notified vide Notification No. 14/17/2007-DGAD dated 19th November 2008;
- (vii) Compact Disc-Recordable (CD-R) from Iran, Malaysia, Korea RP, Thailand, UAE and Vietnam notified vide Notification No. 14/9/2007-DGAD dated 6 March 2009.
- d) The above final findings indicate that the Designated Authority has earlier accepted EOUs to qualify as domestic industry under Rules 2(b) and 5(3) of the AD Rules.
- e) As per the provisions of the Foreign Trade Policy, an EOU can sell up to 50% of the FOB value of its exports in DTA upon payment of concessional duties. It can also sell its production in DTA beyond the 50% limit but such sales would be subject to payment of full customs duties provided the EOU has achieved positive NFE.
- f) EOU scheme provides a competitive footing to serve the domestic and foreign customer better, provided there exists a fair market condition. Therefore, EOUs cannot be considered as beyond the scope of the domestic industry under the AD Rules. They are very much an industry in India.
- g) NFE for an EOU is not computed product wise. NFE is calculated Letter of Permission (LOP) wise.
- h) In the sunset review concerning imports of *Vitamin-A Palmitate from China PR and Switzerland* (Final Findings notified vide Notification F. No. 15/07/2011-DGAD dated 21 August 2013), the Designated Authority considered the sole petitioner which was a 100% EOU as domestic industry under Rules 2(b) and 5(3) of the AD Rules.
- i) In Ceftriaxone Disodium Hemiheptahydrate-Sterile from China PR, Orchid Chemicals never filed an application for initiation of anti-dumping investigation in the above case and never participated during the course of the entire investigation. Further, during the course of the investigation when the Designated Authority requested information from Orchid Chemicals, it was found that Orchid Chemicals did not have sales in the domestic market. Therefore, it is obvious that an entity which neither filed the application before the Designated Authority nor participated in the investigation and also did not have domestic sales would not be considered as domestic industry under the AD Rules. Therefore, Petitioner submits that Respondent is relying on the case of Ceftriaxone Disodium only to misguide the Designated Authority

Examination By The Authority

- 13. The various submissions made by the interested parties during the course of the present investigation with regard to the scope of domestic industry & standing and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:
- a. As regards the submission of the interested parties that the petitioner being a 100% EOU cannot be considered as domestic industry, the Authority notes that Rule 2(b) of the Anti-dumping Rules defines domestic industry as under:-
- (b) "domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers";
- b. In terms of the above stated Rule, there is no explicit exclusion of EOUs from the scope of domestic industry.
- c. With regard to the eligibility of the 100% EOU units and conditions to sale in the DTA, the Authority notes that Paragraph 6.8 (a) and (h) of the Foreign Trade Policy, 2009-14 lays down the relevant provisions as follows:
- 6.8 Entire production of EOU/EHTP/STP/BTP units shall be exported subject to following:
 - (a) Units, other than gems and jewellery units, may sell goods upto 50% of FOB value of exports, subject to fulfillment of positive NFE, on payment of concessional duties. Within entitlement of DTA sale, unit may sell in DTA, its products similar to goods which are exported or expected to be exported from units. However, units which are manufacturing and exporting more than one product can sell any of these products into DTA, upto 90% of FOB value of export of the specific products, subject to the condition that total DTA sale does not exceed the overall entitlement of 50% of FOB value of exports for the unit, as stipulated above. No DTA sale at concessional duty shall be permissible in respect of motor cars, alcoholic liquors, books, tea (except instant tea), pepper & pepper products, marble and such other items as may be notified from time to time. Such DTA sale shall also not be

permissible to units engaged in activities of packaging/labeling/ segregation/refrigeration/compacting/ micronisation/pulverization/granulation/ conversion of monohydrate form of chemical to anhydrous form or viceversa. Sales made to a unit in SEZ shall also be taken into account for purpose of arriving at FOB value of export by EOU provided payment for such sales are made from Foreign Exchange Account of SEZ unit. Sale to DTA would also be subject to mandatory requirement of registration of pharmaceutical products (including bulk drugs). An amount equal to Anti-Dumping duty under section 9A of the Customs Tariff Act, 1975 leviable at the time of import, shall be payable on the goods used for the purpose of manufacture or processing of the goods cleared into DTA from the unit."

- "(h) EOU/EHTP/STP/BTP units sell finished products, except pepper and pepper products and marble, which are freely importable under FTP in DTA, under intimation to DC, against payment of full duties, provided they have achieved positive NFE. An amount equal to Anti-Dumping duty under section 9A of the Customs Tariff Act, 1975 leviable at the time of import, shall be payable on the goods used for the purpose of manufacture or processing of the goods cleared into DTA from the unit."
- d. The above provisions of the Foreign Trade Policy shows that EOUs are not debarred from selling in the DTA and the scheme under para 6.8 (a) states that EOU units can sell goods upto 50% of FOB value of export at concessional rates of duties. However, the provisions at para 6.8 (h) of the scheme does not put any such capping on supplies from EOU to DTA at payment of full duties. Under both the above scenarios, the scheme obligates the 100% EOU units to maintain a positive NFE situation which is calculated in blocks of Five Years which is also extendable based on the requests of the Unit.
- e. The Authority also notes that in certain past cases involving EOUs, the Authority has granted them the status of domestic industry to the extent of their domestic sales within the limit of their entitlements permitted under the foreign trade policy of India.
- 14. During the verification visit, it was stated by the Petitioner that NFE requirements are against a single LOP which may have multiple products, therefore even if Petitioner imports 100% of its raw material requirement for the product concerned and sells its entire production quantity of the subject goods in the DTA, it will still achieve positive NFE for the concerned LOP.
- 15. In view of the above and after due examination, the Authority proposes to hold that the applicant satisfies the requirements of Rule 2(b) and Rule 5(3) of the AD Rules and constitutes domestic industry within the meaning of Rule 2(b).

D. CONFIDENTIALITY

Submissions by the Exporter

16. The exporter has claimed confidentiality pertaining to trade data and regarding the details of the structure of their business enterprise.

Submissions made by Domestic Industry

- 17. The following are the submissions of domestic industry
- a. The Exporter (CINIC) has claimed confidentiality on a number of data elements which are neither business sensitive nor capable of causing any adverse effect on it if such information is disclosed.
- b. The Exporter claims in response to Question A1) of the exporter's questionnaire response that it is a 100% subsidiary of a Hong Kong based company CINIC Holding Limited. However, the ownership structure of this holding company in Hong Kong has been kept confidential. The Exporter's MET response is also incomplete as information regarding persons affiliated with the company and their functional and structural description is not provided. Even the names of board of directors, shareholders and their functions have been kept confidential. It is not clear as to how even the name of the directors of the company could be claimed confidential
- c. The Exporter has claimed confidentiality on all the appendices filed in the non-confidential version of the exporter's questionnaire response, to the extent that even the names of the headings in all the appendices have not been provided. Petitioner is unable to know what deductions the exporter has claimed in its exports transactions to India.
- d. The Exporter has failed to disclose the names of the raw material suppliers, whether the raw materials suppliers are related to the Exporter, whether the Exporter is purchasing raw material at market price/arm's length price. Further, the Exporter has failed to disclose if the raw material is state-owned or a private entity. Also names of major suppliers of raw materials, supplier of utilities, sub-contractors, lenders, distributors, and resellers have been kept

confidential. Without disclosure of such information, it is impossible for Petitioner to give meaningful comments on the genuineness of the Exporter's MET claims

Examination By The Authority

- 18. The various submissions made by the interested parties during the course of the present investigation with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are examined and addressed in terms of Rule 7 of Antidumping Rules.
- 19. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file.

E. ASSESSMENT OF DUMPING – METHODOLOGY AND PARAMETERS

Normal Value, Export Price and Dumping Margin

Normal Value

- 20. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:
 - (i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
 - (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-
 - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
 - (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

Provisions relating to Non- Market Economy countries

21. Annexure-I to AD rules states as under:

7. In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis if the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.

8. (1) The term "non-market economy country" means any country which the designated authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such

country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in subparagraph (3)

(2) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti-dumping investigation by the designated authority or by the competent authority of any WTO member country during the three year period preceding the investigation is a nonmarket economy country:

Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3).

- (3) The designated authority shall consider in each case the following criteria as to whether:
 - (a) the decisions of the concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
 - (b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- (c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and
- (d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate.

Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the designated authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in paragraph 7 and in this paragraph".

Normal Value for China PR

Views of the Domestic Industry

- 22. The following are the submissions made by the applicants in respect of normal value:
- a. China should be considered a non-market economy, in line with the position taken by the Authority in previous cases, and by investigating authorities in other countries. Chinese producers' cost and price cannot be relied upon for determination of normal value.
- b. Market economy status cannot be granted unless following conditions are fulfilled:
- i. Market economy status cannot be given in a situation where one of the major shareholders is a State owned/controlled entity
- ii. Market economy status cannot be given unless the responding Chinese exporters establish that the prices of major inputs substantially reflect market values
- iii. Market economy status cannot be given unless the responding exporter establish that their books are audited in line with international accounting standards
- iv. Market economy status cannot be granted even if one of the parameters is not satisfied
- v. The onus/obligations to establish market economy status is onto responding Chinese exporters and not onto the Designated Authority.
- vi. Market economy status cannot be granted unless the responding company and its group as a whole make the claim.
- vii. In a situation where the current shareholders have not set up their production facilities themselves but have acquired the same from some other party, market economy status cannot be granted unless process of transformation has been completely established through documentary evidence.

- c. The Petitioner has determined normal value of subject goods based on constructed cost of production of the subject goods.
- d. MET claims must be filed by CINIC group as a whole. Merely, by filing the MET claim of one of the group company will not entitle the Exporter to claim market economy treatment. The exporter has provided no evidence to establish that prices of inputs procured substantially reflected market value.
- e. The inputs prices of subject goods do not reflect market values as suppliers of major inputs are State owned. The applicant requests the Authority that CINIC should be denied MET as per the consistent practice of the Designated Authority as raw material prices of major inputs of the product concerned does not reflect the market values. The authority has denied the MET claims to exporters in anti-dumping investigations concerning Front Axle Beam and Steering Knuckles meant for heavy and medium commercial vehicles' and Citric Acid.

Views of CINIC

- 23. The following submissions are made by CINIC in respect of Market Economy Status:
 - a. CINIC has no business or operational relationship with any of the group companies, which has been explained in detail in response to MET Questionnaire.
 - b. CINIC is a wholly owned foreign enterprise.
 - The export activities of CINIC are not controlled by the government by way of any legislative enactment or otherwise.
 - d. All the raw materials are procured from independent suppliers and CINIC has no relationship with any supplier.
 - e. All the transactions are on arm's length basis on principal to principal.
- 24. In response to the observation in the exporter's verification report, M/s CINIC has further submitted that:
 - a. CINIC has provided all the relevant information with respect to all the group companies of CINIC;
 - b. Has categorically provided source of funding of original founders of CINIC Holding Ltd.
 - c. CINIC Chemicals (Shanghai) Co. Ltd. Is 100% subsidiary of CINIC Holdings Ltd. (Hong Kong);
 - d. CINIC Holdings Ltd. (Hong Kong) is incorporated in Hong Kong;
 - e. *** China is also a 100% subsidiary of CINIC Holdings Ltd. (Hong Kong);
 - f. *** and *** are related to each other horizontally and not vertically i.e. no direct shareholding in each other:
 - g. *** is also a producer of pigments but they do not have any exports to India.
 - h. CINIC holding is based in Hong Kong and are not required to file the response to exporter questionnaire or MET questionnaire. Further, ***, though is engaged in the manufacture of pigments but they are not exporting the PUC to India. Therefore, it is established that for the purpose of present investigation, none of the related companies (except CINIC Chemicals (Shanghai) Co. Ltd.), are engaged in the manufacture and export of PUC to India. Hence, there is no requirement to file response to MET questionnaire by any of the related companies.

Examination of market economy claims of M/s. CINIC Chemicals (Shanghai) Co., Ltd,

- 25. At the stage of initiation, the Authority proceeded with the presumption by treating China PR as a non-market economy country. Upon initiation, the Authority advised the producers/exporters in China to respond to the notice of initiation and provide information relevant to determination of their market economy status. The Authority sent copies of the MET questionnaire to all the known exporters for rebutting presumption of non-market economy in accordance with criteria laid down in Para 8(3) of Annexure-I to the Rules. The Authority also requested Government of China to advise the producers/exporters in their country to provide the relevant information.
- 26. In the present investigation, M/s. CINIC Chemicals (Shanghai) Co., Ltd claimed market economy treatment by filing MET questionnaire response. The data/information furnished by M/s. CINIC Chemicals (Shanghai) Co., Ltd was verified by the Authority. It was observed by the Authority during the course of on the spot verification that the MET questionnaire has been filed by the Petitioner but has not been given by all related companies, including the Group Company in order to claim MET status. The original source of funds for the two founders of CINIC Holdings Ltd., Hong Kong is also not known.

- 27. The verification report was sent to the subject company for comments through their representatives. In their response to the verification report they submitted a reply. The brief of the reply is that:
- a. CINIC Chemicals (Shanghai) Co. Ltd. is 100% subsidiary of CINIC Holdings Ltd. (Hong Kong) which is incorporated in Hong Kong;
- b. *** is also a 100% subsidiary of CINIC Holdings Ltd. (Hong Kong), they also produce pigments but do not have any exports to India.
- c. *** and *** are sister companies with no direct shareholding in each other:
- d. CINIC holding is based in Hong Kong and are not required to file the response to exporter questionnaire or MET questionnaire. Further, ***, though is engaged in the manufacture of pigments but they are not exporting the PUC to India. Therefore, there is no requirement to file response to MET questionnaire by any of the related companies.
- 28. The Authority examined the comments/submissions made by the exporter company in this regard and notes that the company has not provided any satisfactory comments with substantiated documents on the observations of the Authority concerning the relation between the sister companies and the details of the group company. Further, they have not been able to prove whether various raw materials are at prices comparable with prevailing international market prices. The company has admitted that utilities like water, steam, natural gas and electricity are supplied by the local authorities/government undertakings/joint ventures, therefore, not at market driven prices. Also source of funds of investors and shareholders has not been given. It is observed by the Authority that CINIC Chemicals (Shanghai) Co. Ltd, China PR, is wholly owned subsidiary of CINIC Holdings Ltd. Hong Kong, which in turn is part of CINIC group, owned by two companies i.e. *** & *** holding *** & *** shares respectively. ***. (***) is wholly owned by ***and ***is wholly owned by ***. Besides, this CINIC Holdings Ltd. Hong Kong owns ***., China PR, who is also engaged in the Pigment manufacturing during the POI. CINIC Chemicals (Shanghai) Co. Ltd., China PR and *** are sister companies. Both the Group Company and the Sister Company have not filed response to the Exporter Questionnaire.
- 29. While the Authority appreciates that source of capital of owners is quite a normal business phenomena; particularly in the context of non-market economy situation, the fundamental issue that arises for consideration is the source of funds for the capital so invested, and compatibility of ownership structure with capital investments. The exporter could not establish source of funds for fairly large amount of investments.
- 30. In view of the above position, the Authority holds that CINIC Chemicals (Shanghai) Co. Ltd China PR continues to operate under non-market conditions and is unable to grant market economy status to CINIC Chemicals (Shanghai) Co. Ltd, China PR.

Normal Value for China PR

- 31. Since Authority has not granted market economy treatment to the responding producer/exporter for the purpose of this disclosure statement, the normal value has been determined on the basis of Para-7 to Annexure-I to the Rules.
- 32. The Authority has determined the normal value in China PR for all producers/exporters on the basis of facts available, in terms of para 7 of Annexure I to the Anti-dumping Rules. Accordingly, the ex-works Normal Value of the product under consideration for responding exporters from China PR has been constructed by taking into account the international price of the major inputs viz. Sodium Metal, 4-Chlorobenzonitrile (PCBN), DI-Isopropyl Succinate (DIPS), Tertiary Amyl Alcohol (TAA), Methanol and Glacial Acetic Acid and conversion costs of domestic industry, duly adjusted to include selling, general & administrative costs and packing cost of the domestic industry. Profit margin of 5% is added for constructing the normal value.

Export price in case of producers and exporters from China PR

M/s. CINIC Chemicals (Shanghai) Co., Ltd

33. The Authority notes that M/s. CINIC Chemicals (Shanghai) Co., Ltd, China PR, has responded in the form and manner prescribed and have furnished the requisite information to determine the net export price. The Authority verified the details of export transactions submitted in the Appendix-2 of the Exporter's Questionnaire response filed by the concerned producer/exporter. The Authority made adjustments on account of inland freight, port & handling charges, bank charges, credit cost and non-refundable vat adjustment as claimed by the exporter in their response to the questionnaire in order to arrive at the net export price at ex-factory level. Accordingly, the net export price at ex-factory level for M/s. CINIC Chemicals (Shanghai) Co., Ltd, China PR, so determined is as mentioned in dumping margin table below.

Non-cooperative exporters from China PR

34. The export price for other producers/exporters in case of China PR is determined on the basis of best available information on record. The Authority made adjustments on account of inland freight, port & handling charges, bank charges, credit cost and non-refundable vat adjustment in order to arrive at the net export price at ex-factory level.

Accordingly, the net export price at ex-factory level as determined by the Authority is mentioned in the dumping margin table below.

Normal value in the case of producers and exporters from Switzerland

35. As there is no response from Switzerland and neither the information concerning the normal value of the subject goods in Switzerland during the POI has been made available by any interested party, nor could it be accessed in the public domain, the Normal Value for the producers/exporters in Switzerland has been determined by the Authority on the basis of international prices of major raw materials viz. Sodium Metal, 4-Chlorobenzonitrile (PCBN), DI-Isopropyl Succinate (DIPS), Tertiary Amyl Alcohol (TAA), Methanol and Glacial Acetic Acidand conversion costs of domestic industry, duly adjusted to include selling, general & administrative costs and packing cost of the domestic industry by adding reasonable profits @ 5%. The normal value so determined by the Authority for Switzerland is mentioned in the dumping margin table below.

Export price in case of producers and exporters from Switzerland

36. There is no response from any producer/exporter from Switzerland. In the light of the above, export price from all the producers/exporters in case of Switzerland is determined on the basis of information available on record. The Authority made adjustments on account of ocean freight, overseas insurance, port expenses, inland freight, bank charges and credit cost as claimed by the petitioner after due adjustment in order to arrive at the net export price at ex-factory level. Accordingly, the net export price at ex-factory level in case of Switzerland has been determined as mentioned in the dumping margin table below.

DUMPING MARGIN

37. Comparing the normal value and export prices as determined in the preceding paragraphs, the dumping margin all exporters/producers from China PR and Switzerland has been determined by the Authority as follows:

Dumping Margin Table

Country of Origin	Producer F	Exporter	Normal value	Net Export Price	Dumping Margin (US\$/Kg)	Dumping Margin (%)	Dumping Margin Range
g			(US\$/Kg)	(US\$/Kg)			(%)
China PR	M/s CINIC	M/s CINIC	***	***	***	***	45-55
	Chemicals Co	Chemicals Co					
	Ltd.,	Ltd.,					
	Shanghai	Shanghai					
China PR	Others	Others		***	***	***	70-80
Switzerland	Any	Any	***	***	***	***	20-30

F. INJURY DETERMINATION AND CAUSAL LINK

Injury Determination

Submissions made by importers, exporters, users and Users' Association

Submissions made by the interested parties are summarized below:

38. Submissions by CINIC

- a. Total imports have increased only by 153% whereas the domestic sales of Petitioner have increased by 165 indexed points over the injury analysis period.
- b. Market share of both the domestic industry as well as imports from the subject countries has increased. Respondent argues that both the domestic industry and subject countries have capitalized by increasing their market share while there is a decrease in market share of imports from other countries.
- c. Petitioner's market share has gone up from 38% in 2010-11 to 40% in the POI, whereas market share of imports from the subject countries has increased from 26% in 2010-11 to 45% in the POI.
- d. The injury to the domestic industry is due to capital expenditure on expansion of capacity in Petitioner's plant, which resulted in decrease in profitability of Petitioner.

- e. The injury to domestic industry is due to fall in Petitioner's exports; since Petitioner's domestic sales have increased in the injury analysis period.
- f. Petitioner has not been able to procure international orders for exports of its goods, which has resulted in increase in its inventory. Respondent then argues that increase in Petitioner's inventory is a direct result of increase in Petitioner's capacity and decline in exports.
- g. The domestic industry has exported major part of its production in the injury analysis period and during the POI, and therefore, this portion should not be considered as base figure for the purpose of calculating injury to the domestic industry.
- h. Even if the "*Domestic Industry*" status is given to EOU, the actual production and clearance to DTA should only be taken as the basis for the purpose of determining the injury.

39. Submissions by Indian Paint Association

- a. The DI during the public hearing has stated that it has only been able to capture 50% of the increased demand of the PUC in India during the POI and the injury period. However, capturing 50% of the increased demand itself suggests that the imports have had no adverse impact on the sales of the DI.
- b. The injury parameters of the domestic industry do not show existence of material injury or threat of material injury. Respondent argues that since Petitioner is a 100% EOU, it is exporting almost all of its production and therefore, Petitioner is not in competition with imports of the subject goods in the domestic market.
- c. The Petitioner's installed capacity increased from 250,000 kg in 2010-11 to 350,000 kg in the POI. Respondent then argues that Petitioner's production, domestic sales and market share also increased from the base year 2010-11 to the POI.
- d. The Petitioner's installed capacity, production, domestic sales and market share show improvement during the injury analysis period and the POI, and therefore, there is no case for material injury to the domestic industry.
- e. There is no price undercutting in case of imports from China PR as the domestic procurement data of PPG Asian Paints and Kansai Nerolac shows that landed price of the subject goods from China PR is higher than the domestic procurement price of these companies.
- f. The Petitioner has failed to substantiate that there are huge unutilized capacities in China PR.
- g. Petitioner is suffering injury due to high interest cost.
- h. DI is importing the intermediate raw material from China in order to manufacture the PUC. However, the value of the Indian currency depreciated by nearly 20% during 2010-11 to 2012-13 which resulted in imports becoming expensive.

40. Submissions made by Domestic Industry

The domestic industry has submitted that:

- a. While submitting the various injury parameters such as market share, sales, demand and cost to make & sell, Petitioner has only taken the actual DTA sales made by the Petitioner.
- b. Imports from subject countries have increased by 291% over the injury analysis period. Petitioner is unable to increase its market share, which has remained only at around 40% in the injury analysis period. But market share of imports from subject countries has increased from 23% in 2010-11 to 42% in the POI.
- c. Imports from the subject countries have captured the market share. The respondents are quoting incorrect figures about market share of imports from the subject countries.
- d. The other interested parties have admitted that Petitioner has been unable to capture the market share when demand increased in India, while the market share of imports from the subject countries increased substantially to capture the demand in India.
- e. Market share of imports from subject countries increased from 23% in 2010-11 to 28% in 2011-12, which further increased to 34% in 2012-13 and reached an alarming level of 42% in the POI. This is an overall increase of 19% during the injury analysis period and the POI. The above trends clearly show that the imports from the subject countries have captured the market in India rather than the domestic industry.
- f. Petitioner has been unable to utilize its capacity (40% capacity idle in the POI) due to unfair competition from dumped imports from the subject countries. Petitioner is fully capable to meet the entire demand in India with its existing capacity.

- g. That Petitioner expanded its capacity in 2011-12 and Petitioner's exports also increased in a commensurate manner from 2011-12 to POI. Export performance of domestic industry has no bearing on the determination of injury to the domestic industry and Respondent's argument in this regard may be rejected outright.
- h. Opposing parties' approach of end-point to end-point comparison by comparing injury parameters in 2010-11 with the POI is incorrect. Such a comparison ignores intervening changes in circumstances and intervening trends and therefore presents an incomplete picture of the impact of dumped imports. A WTO panel in *US Hot Rolled Steel* has made a similar observation, which is reproduced below:
- 7.234 ... In our view, to the extent that Japan is suggesting that USITC should have made a static end-point-toend point comparison, comparing 1996 levels to 1998 levels, we note that such a comparison, by ignoring intervening changes in circumstances and conditions in which the industry is operating, would present a less complete picture of the impact of dumped imports.

Footnote 163:

- In this regard, we share the views of the Panel in Argentina Footwear: "An end-point-to-end-point analysis, without consideration of intervening trends, is very unlikely to provide a full evaluation of all relevant factors as required". Panel Report, Argentina Footwear, para. 8.217. This statement was of course made in the context of the Agreement on Safeguards, but the relevant provision in the Safeguards Agreement, Article 4.2(a) is very similar to Article 3.4 of the AD Agreement.
- i. The landed price of imports is significantly below the cost of production of the domestic industry throughout the injury period. Imports have had significant suppressing effect on the prices of the domestic industry in the market. The gap between the cost of sales and the selling price of the domestic industry is shrinking throughout the injury period due to presence of dumped imports and the domestic industry is unable to increase its prices in proportion to increase in cost, thereby suffering huge losses.
- j. Petitioner's market share hovered around the 40% mark in the entire injury analysis period and the POI, while market share of dumped imports from the subject countries has substantially increased from 23% in 2010-11 to 42% in the POI.
- k. Price undercutting cannot be examined in isolation to the surrounding circumstances. Petitioner has been consistently forced by the user industry to match the low prices of dumped imports from the subject countries. This has forced the domestic industry to sell its goods below the cost of production resulting in substantial losses to the domestic industry.
- 1. M/s CINIC Chemicals (Shanghai) Co. Ltd. has itself admitted in the public hearing that its capacity is 2500 MT per annum. This capacity is almost 10 times the capacity of the Petitioner. Further, another producer, BASF has also started its manufacturing facility in China PR. As per market information with Petitioner, there exist huge capacities in the subject countries for the subject goods. Therefore, existence of huge capacities in the subject countries, coupled with very low prices of imports from the subject countries, huge demand for the subject goods in India and export orientation of producers in the subject Countries to India demonstrate that India is a target of dumped imports of the subject goods.

Examination by the Authority

- 41. The Authority has taken note of submissions made by the interested parties. The Authority has examined the injury to the domestic industry in accordance with the Anti-dumping Rules and considering the submissions made by the interested parties.
- 42. Rules require the Authority to examine injury by examining both volume and price effect. A determination of injury involves an objective examination of both (a) the volume of the dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like article and (b) the consequent impact of these imports on domestic industry. With regard to the volume of dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in the dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. With regard to the effect of the dumped imports on prices the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree.
- 43. As regards the consequent impact of dumped imports on the domestic industry, Para (iv) of Annexure-II of Anti-dumping Rules states as under:

"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including natural and potential decline in sales, profits, output market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments."

44. The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account the facts and submissions made by various interested parties.

Assessment of Demand

45. The demand/apparent consumption of subject goods has been determined by adding domestic sales of domestic like product and imports of subject goods from all countries. The Authority notes that demand of subject goods increased significantly over the injury period as can be seen in the table below:

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI (Jan - Dec'13)
Imports					
China	Kgs	7563	3340	37660	48620
Trend	Indexed	100	44	498	643
Switzerland	Kgs	18140	27480	14360	26220
Trend	Indexed	100	151	79	145
Total Imports from subject countries	Kgs	25,703	30,820	52,020	74,840
Trend	Indexed	100	120	202	291
Imports from Other Countries	Kgs	44,173	37,416	32,424	32,428
Trend	Indexed	100	85	73	73
Total Imports	Kgs	69,876	68,236	84,444	107,268
Trend	Indexed	100	98	121	154
Total Domestic sales	Kgs	43,200	42,154	66,615	72,788
Trend	Indexed	100	98	154	168
Demand/Apparent Consumption	Kgs	113076	110390	151059	180,056
Imports from Subject Countries in relation to consumption	%	23	28	34	42
Total Production of DI	Kgs	185,479	176,438	176,356	208,611
Imports from Subject Countries in relation to production	%	14	17	29	36

- a) The Designated Authority noted that Imports of subject goods from subject countries were not coming into India in substantial quantities during 2010-11 and 2011-12. However, the same increased substantially during 2012-13 and POI
- b) Imports from China PR have increased enormously from 7,563 kgs during 2010-11 to 48,620 kgs during POI.
- c) Imports from Switzerland have increased from 18,140 kgs during 2010-11 to 26,220 kgs during the POI.
- d) Imports of subject goods from subject countries in relation to Indian production have reached a level of 36% during POI showing an increasing trend.
- e) Imports from Subject Countries in relation to consumption in India reached a level of 42% during POI from a level of 23% during 2010-11.
- f) The imports have increased in absolute and relative terms from the subject countries.
- g) It is, thus, concluded that imports from subject countries have increased both in absolute terms and in relation to production and consumption in India.

Price Effect of the Dumped Imports on the Domestic Industry

- 46. With regard to the effect of the dumped imports on prices, Annexure II (ii) of the Rules lays down as follows: "With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of rule 18 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree."
- 47. It has been examined whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. The impact of dumped imports on the prices of the domestic industry has been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any.

Price Undercutting

48. In order to determine whether the imports are undercutting the prices of the domestic industry in the market, the Authority has compared landed price of imports with net sales realization of the domestic industry. In this regard, a comparison has been made between the landed value of the product and the average selling price of the domestic industry net of all rebates and taxes, at the same level of trade. The prices of the domestic industry were determined at the ex factory level. This comparison showed that during the period of investigation, the subject goods originating in the subject countries were imported into the Indian market at prices which were lower than the selling prices of the domestic industry. It is thus noted that imports of subject goods were undercutting the domestic prices and margin of undercutting is shown in the table below:

Particulars	2010-11	2011-12	2012-13	POI (Jan - Dec'13)
Domestic Sales Realisation (Rs. Per Kg)	***	***	***	***
Indexed	100	93	82	78
Landed Value				
China (Rs. Per Kg)	***	***	***	***
Indexed	100	114	89	91
Switzerland (Rs. Per Kg)	***	***	***	***
Indexed	100	74	83	71
Other Countries (Rs. Per Kg)	***	***	***	***
Indexed	100	87	108	120
Price Undercutting				
China (Rs. Per Kg)	***	***	***	***
Indexed	100	(29)	46	0
Switzerland (Rs. Per Kg)	***	***	***	***
Indexed	(100)	644	(112)	167
Other Countries(Rs. Per Kg)	***	***	***	***
Indexed	(100)	(71)	(169)	(221)
Price Undercutting % of Landed Value				
China	***	***	***	***
Switzerland	***	***	***	***
Other Countries	***	***	***	***

- 49. The authority noted that price undercutting with respect to imports from China PR is negligible during POI. The domestic Industry contended that the major reason for such negligible price undercutting is that domestic industry has to match the prices offered by exporters from China PR to retain their customers. Due to low prices offered by exporters from China PR domestic industry is left with no choice but to reduce its selling price in order to maintain its market share.
- 50. The Authority noted that price undercutting with respect to imports from Switzerland was positive during the POI.

Price Underselling

51. The Authority has also examined price underselling caused by the dumped imports from China PR and Switzerland. For this purpose, the NIP determined for the domestic industry has been compared with the landed price of imports. Comparison of NIP of the domestic industry with weighted average landed price of imports during the POI is as follows:

Particulars	Units	China PR	Switzerland
	Rs/Kg	***	***
Non-injurious price			
	Rs/Kg	***	***
Landed Value			
	Rs/Kg	***	***
Price Underselling			
		***	***
Price Underselling	%		
Price Underselling	% Range	20-30	30-40

52. It is seen that the landed value of the subject goods from subject countries were significantly lower than the NIP determined for the domestic industry.

Price Suppression/Depression

53. In order to determine whether the effect of imports is to depress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred, the Authority examined the changes in the costs and prices over the injury period. The position is shown as per the Table below:

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI (Jan - Dec'13)
Cost of sales (Domestic)	Rs/Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	128	120	142
Sales Value (Domestic)	Rs/Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	93	82	78

54. It is seen that costs to make and sell has increased by 42 indexed points during the injury period, whereas domestic selling price in the same period has declined by 22 indexed points. The imports were depressing the prices of the domestic industry in the market and also preventing the price increases that would have otherwise occurred.

Other economic parameters of the domestic industry

55. Annexure II to the Anti-dumping Rules requires that a determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of like product. The Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below.

(i) Production, Capacity, Capacity Utilization and Sales

56. The performance of the domestic industry with regard to production, domestic sales, capacity & capacity utilization was examined and shown in the table below:

Particulars	2010-11	2011-12	2012-13	POI (Jan- Dec'13)
Installed capacity for the year	250,000	350,000	350,000	350,000
Indexed	100	140	140	140
Total Production	185,479	176,438	176,356	208,611
Indexed	100	95.13	95.08	112.47
Capacity utilization (%)	74%	50%	50%	60%
Indexed	100	67.95	67.92	80.34
Domestic Sales	43,200	42,154	66,615	72,788
Indexed	100	98	154	168
Export Sales	135,355	90,130	114,740	97,460
Indexed	100	67	85	72
Demand	113,076	110,390	151,059	180,056
Demand Indexed	100	98	134	159

57. From the above table, it can be seen that the capacity utilization of the domestic industry has declined considerably during the POI. The domestic industry has been able to achieve a best capacity utilization of 74% during 2010-11. However, this came down to 60% during the POI. It has been stated by the petitioner that due to constant pressure from dumped imports, domestic industry had to reduce its prices to maintain its market; if domestic industry had not matched the prices offered by the exporters from subject countries then situation would have been more critical.

(ii) Inventories

Inventory	2010-11	2011-12	2012-13	POI (Jan - Dec'13)
Inventory (in Kg)	***	***	***	***
Indexed	100	261	331	264

58. It can be observed that due to constant pressure of dumped imports from subject countries, domestic industry is unable to dispose off its production at remunerative prices and consequently inventory of the domestic industry has been consistently on the rise starting from 2011-12.

Profits, profitability, return on investment and cash profits

(iii) Profitability

59. Profits earned by the domestic industry from sale of the subject goods in the domestic market has been as follows:-

Particulars	2010-11	2011-12	2012-13	PO (Jan - Dec'13)
Rs. Lakhs	***	***	***	***
indexed	100	(13)	(51)	(201)
Rs. Per Kg	***	***	***	***
Indexed	100	(13)	(33)	(119)

60. The domestic industry's profitability has gone down drastically during POI due to intensified dumping by exporters from China PR and Switzerland. Domestic industry was earning profits during 2010-11. However, the dumping has intensified thereafter and domestic industry is not able to fully recover its cost of sales. From total profit of 100 indexed units in 2010-11, the domestic industry started incurring losses and reached into losses of 119 indexed units during the POI. The losses suffered by the domestic industry have increased substantially during the POI.

(iv) Cash Profit

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI (Jan - Dec'13)
Cash Profit	Rs. Lakh	***	***	***	***
	Indexed	100	22	12	(95)
	Rs. /Kg	***	***	***	***
	Indexed	100	23	8	(57)

61. Cash Profit situation of the domestic industry has also changed drastically. From total cash profit of 100 indexed units in 2010-11, the domestic industry started incurring losses during the POI. Due to persistent dumping of subject goods from subject countries, cash profits of the domestic industry has substantially declined and resulted into cash losses during POI.

(v) Return On Capital Employed

62. The return on capital employed followed the same trend as that of profits and cash profits. ROCE during POI has fallen significantly as compared to previous years.

Unit	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	PO (Jan - Dec'13)
PBIT	Rs. Lakh	***	***	***	***
	Indexed	100	3	(26)	(177)
ROCE	%	***	***	***	***
	Indexed	100	1	(19)	(92)

63. It can be seen from the above table that domestic industry was earning profits during 2010-11. It has been stated that due to severe dumping from subject countries, domestic industry is unable to recover the cost and consequently, incurring losses during 2011-12. The situation has turned critical during the POI when losses have increased significantly. The DI contended that it will be extremely difficult for the domestic industry to raise any investments to continue in operation of the PUC. Moreover, if the dumping intensifies further, the negative cash flows will increase further and the domestic industry will not be in a position to service its debts.

(vi) Growth

64. On examination of various economic parameters of the domestic industry, the Authority notes that on a year by year basis whereas production has shown negative trend in 2011-12 but shown improvement during the POI, domestic sales has declined during 2011-12 but shown improvements thereafter. Cost of sales has declined during 2012-13 but has again increased in the POI. Selling price as well as Profit/ Loss have shown negative growth trend during the entire injury period.

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
			***	***	***
Production	%	-			
			***	***	***
Domestic Sales Volume	%	-			
			***	***	***
Cost of Sales	%	-			
			***	***	***
Selling Price	%	-			
			***	***	***
Profit/ Loss per unit	%	-			

(vii) Ability to raise capital investments

65. The Authority notes that given rising demand of the product in the country, the domestic industry has made investments in plant and machinery. However, despite these investments, the performance of the domestic industry has deteriorated considerably and further investment may get adversely affected.

(viii) Factors Affecting Domestic Prices

As stated elsewhere in this petition, quality of the goods produced by the domestic industry is at par with the imported goods. Domestic industry has sufficient capacity to cater to Indian demand and therefore, availability of material is not a constraint. Delivery problems are also almost non-existent. Thus, even though market conditions are favorably aligned for subject product produced by the domestic industry, yet the domestic industry is not operating at optimum capacity. Such a situation has arisen only because of dumped imports coming into the country at significantly low prices. Many of the Indian customers quote the prices at which the imported goods are coming into the country and ask the domestic industry to match the imported prices. The factors that adversely affect the domestic industry are both the volume of imports as well as the prices at which the imported goods enter the country.

(ix) Magnitude And Margin Of Dumping

67. The imports coming into India from the subject countries are far above the de minimis level of dumping margin. The dumping margin for subject countries is quite significant. With such high magnitude of dumping margin, dumped imports have caused material injury to the domestic industry. The domestic industry apprehends that the present situation is highly precarious and if imports continue to enter the country at the current dumping margin level, there is a likelihood of more intensified injury to the domestic industry.

Conclusion on injury

- 68. Based on the above, the Authority concluded that the dumped imports of the subject goods from the subject countries have increased in absolute terms as well as in relation to production and consumption of the subject goods in India. Imports of the product were undercutting the prices of the domestic industry in the market. Further, while the cost of production kept increasing over the injury period, the selling price was declining. The imports were thus suppressing the prices of the domestic industry and preventing the price increases that would have otherwise occurred in the absence of dumped imports. With regard to consequent impact of the dumped imports on the domestic industry, it is observed that while the demand for the product increased very significantly, the production and sales of the domestic industry declined due to the marked increase in the dumped imports. Consequently, the domestic industry lost market share which, in turn, affected other performance parameters.
- 69. The Authority noted that the domestic industry has suffered injury on account of volume as well as price effect of dumped imports, as a result of which the profitability of the domestic industry has declined. Return on capital employed and cash profits followed the same trend as that of profits. Both return on capital employed and cash profits turned negative in POI. Thus, growth in respect of most of the parameters such as profits, cash profits, return on capital employed, market share & inventory, etc. shows an adverse impact on the domestic industry. Thus, Authority concluded that the domestic industry has suffered material injury.

G. Other known factors and Causal Link

70. The submissions of various interested parties are summarized as under:

Submission by Indian Paint Association:

There is no causal link between injury to the domestic industry and imports of the subject goods from China PR.

- b. Petitioner's cost of production is high when compared to producers from China PR as Petitioner imports the raw material while producers in China PR procure the same locally.
- c. Further the exporter M/s CINIC Chemicals (Shanghai) Co. Ltd. has economies of scale due to which its cost of production is low. It was argued that injury to the domestic industry is due to declining exports and high interest rates, which breaks the causal link.

Submissions of the Domestic Industry:

- a. Petitioner fails to understand what locus Respondent has to argue on behalf of unidentified producers/exporters from China PR and especially CINIC. Respondent argues that CINIC has economies of scale and therefore, CINIC's cost of production is low. Petitioner fails to find any mention of the same in CINIC's questionnaire responses. Further, CINIC also did not make any submission in this regard in the public hearing. Clearly, Respondent has no locus standi to make such submissions.
- b. Petitioner's exports, in fact, increased in the POI from 2011-12.
- c. Interest cost per unit was 100 indexed points in 2010-11, which increased slightly to 116 indexed points in the POI.
- d. Data has been duly verified by the Designated Authority and the data overwhelmingly indicates existence of material injury to the domestic industry.

Examination by the Authority

71. The Authority has examined whether other factors listed under the Anti-dumping Rules could have contributed to injury to the domestic industry. The examination of causal link between dumping and material injury to the domestic industry has been done as follows:

Imports from third countries

a. The imports from countries other than the subject countries are not significant in volume terms so as to cause or threaten to cause injury to the domestic industry and in case of USA, price is much above the Non-Injurious price of domestic industry. Moreover, the price at which goods are coming from other countries is much higher than the price at which goods are coming from the subject countries.

Contraction in demand

b. The Authority noted that the demand for the subject goods has shown significant improvement during the injury period. It has increased in the POI from the base year and the previous year. Possible contraction in demand could not have caused injury to the domestic industry.

Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

c. The Authority noted that there is no trade restrictive practice which could have contributed to the injury to the domestic industry.

Developments in technology

d. The Authority noted that the technology adopted by the domestic industry is comparable with that adopted by producers all over the world. There is no significant difference in the manufacturing process of Indian producers and foreign producers. In fact, domestic producers have been manufacturing the product for quite some time, and the technology for production is fairly established. Further, the user industry is technology neutral, so any difference in the technology is not the reason for injury to the domestic industry.

Changes in pattern of consumption

e. The domestic industry is producing the type of goods that have been imported into India. Possible changes in pattern of consumption are not a factor that could have caused claimed injury to the domestic industry.

Export performance

f. Claimed injury to the domestic industry is not on account of possible significant deterioration in export performance of the domestic industry. In fact, exports by the domestic industry have not materially declined. In any case, the authority has considered domestic performance wherever possible.

Performance of the domestic industry with respect to other products

g. The Authority notes that the performance of other products being produced and sold by the domestic industry

has not affected the assessment made by the Authority of the domestic industry's performance. The information considered by the Authority is with respect to the product under consideration only.

Productivity of the domestic industry

h. The Authority notes that the productivity of the domestic industry has followed the same trend as production and therefore deterioration in productivity is not the major cause of the injury to the domestic industry.

H. FACTORS ESTABLISHING CAUSAL LINK

- 72. Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has materially deteriorated due to dumped imports from subject countries. Causal link between dumped imports and the injury to the domestic industry is established on the following grounds:
 - a) Imports are undercutting the prices of the domestic industry specifically from Switzerland.
 - b) The volume of imports from subject countries has increased significantly.
 - c) The consumers have increasingly switched their requirements to exporters from subject countries as a result of significant price difference. Thus, the price undercutting has led to significant increase in market share of imports and decline in market share of the domestic industry.
 - d) The presence of dumped imports in the country is preventing the domestic industry from increasing its prices in proportion to the rise in costs.
 - e) The subject imports are underselling the product sold by the domestic industry.
 - f) Deterioration in profits, return on capital employed and cash profits is a direct consequence of dumped imports.
 - g) The market share of dumped imports increased over the injury period.
 - As a result of significant price undercutting and underselling, capacity utilization of the domestic industry has not increased.
 - i) The growth of the domestic industry became negative in terms of a number of price related economic parameters.
- 73. The above grounds clearly establish existence of causal link between the dumped imports and injury to the domestic industry. Thus, the Authority concludes that the domestic industry suffered material injury due to dumped imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

I. MAGNITUDE OF INJURY AND INJURY MARGIN

74. The Authority has determined non-injurious price for the domestic industry on the basis of principles laid down in the Rules, as amended. The non-injurious price so determined has been compared with the landed prices of imports from the subject countries. The injury margin for all producers and exporters from subject countries has been determined by the Authority on the basis of best available facts.

Injury Margin

Country of Producer		Evnoutou	NIP	Landed Value	Injury Margin	Injury	Injury Margin
Origin	Froducer	Exporter	(US\$/Kg)	(US\$/Kg)	(US\$/Kg)	Margin (%)	(%) Range
China PR	CINIC Chemicals Co	CINIC Chemicals Co		***	***	***	35-45
Cilila i K	Ltd., Shanghai	Ltd., Shanghai	***				33 43
China PR	Others	Others		***	***	***	40-50
Switzerland	Any	Any	***	***	***	***	30-40

J. Post disclosure Statements/Submissions

The submissions made and points raised are the same as raised earlier and dealt with above in this finding. However, they are being summed up again hereunder:

Post Disclosure Statement by the Exporter and Importers

75. CINIC has contended that the definition under Rule 2(b) of the Rules only covers the domestic producer of PUC as a whole. Whereas, EOU does not satisfy this condition to be termed as a Domestic Industry. It is clearly established that an EOU can sell its production in DTA beyond the 50% limit but sales would be subject to payment of

full customs duties provided the EOU has achieved positive NFE. This analysis is sufficient to conclude that an EOU cannot be treated as a domestic industry for the purpose of Anti-Dumping Rules.

- 76. The CINIC Holding is based in Hong Kong and is not engaged in the manufacture of PUC, therefore, is not required to file the response to exporter questionnaire or MET questionnaire. Further, CINIC Chemicals (Taixing) Co. Ltd., though is engaged in the manufacture of pigments but are not exporting the PUC to India at all. Therefore, it is established that for the purpose of present investigation, none of the related companies (except CINIC Chemicals (Shanghai) Co. Ltd), are engaged in the manufacture and export of PUC to India. Hence, there is no requirement to file response to MET questionnaire by any of the related companies. It is further stated that Hon'ble Authority has not explained under which provision of law, the group companies or the parent company, which are either not based in China or are not engaged in exports of PUC to India would require to file response to MET Questionnaire or the Exporter Questionnaire.
- 77. CINIC has provided the details related to nature of contract with the raw material supplier and also stated that all the suppliers of raw materials are private companies and there are no transactions by CINIC with private persons or a local/regional authority. CINIC has also provided a breakup of cost of all the raw materials as required under the Exporter Questionnaire so as to compare it with the internationally accepted prices. The Hon'ble Authority is requested to consider all those information as submitted in the MET and EQ questionnaire to satisfy on the issue of pricing of raw materials. With regard to utilities like water, steam, natural gas and electricity which are supplied by the local authorities/government undertakings/joint ventures, CINIC has submitted that in any organized economy, the basic utilities of daily needs like water, gas, electricity etc. is controlled and distributed by the Government agencies. Like any other country including India also, all these basic utilities are provided by the Central or the State Government only. Therefore, the observation regarding the prices of daily utility being not at market driven prices is unwarranted and required to be reconsidered.
- 78. Further, in case of import from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of (a) prices in the market economy third country; or (b) contracted cost of the market economy third country; or (c) price from such a third country to other countries including India or where it is not possible on any other reasonable basis, including the prices that is paid or payable in India for the like product, duly adjusted. There is an obligation on the Designated Authority, first to exhaust the option of finding surrogate country for the purpose of determining normal value. As emanating from the Disclosure Statement, it has simply accepted the contention of the Petitioner. Further, Clause 7 of Annexure 1 of the Rules clearly provides that "the parties to the investigation shall be informed without unreasonable delay, the aforesaid selection of market economy third country and shall be given a reasonable time to offer their comments". In absence of said analysis, the constructive normal value is incorrect resulting in error in calculation of Dumping Margin and other factors.
- 79. On behalf of Importers association, it has been claimed that the Annexure IV of the Disclosure Statement which mentions the details of the methodology for working out the NIP has not been made available and therefore it is not clear whether the different elements of the cost of production for example rate of return or the allocation of expenses of the applicant has been considered while computing the NIP.
- 80. The importer has stated that the injury analysis clearly reveals that no price undercutting exists with respect to import of the PUC from China PR. Moreover, the data of the applicant establishes that there has been significant increase in domestic sales value which means that the applicant has been able to get a fair price for its products. This also, therefore, breaks the causal link with respect to China PR. Moreover, the respondent would reiterate that that the applicant is the sole manufacturer of the PUC and is also an EOU and has been exporting 60%-76% of its products. In such circumstances, a recommendation of anti dumping duty would be severely prejudicial to the interest of the user industry and, therefore, the respondent respectfully submits that no recommendation for imposition of anti dumping duty be made in the present investigation

Post Disclosure Statement submissions by the Domestic Industry

- 81. In view of the Foreign Trade Policy, it is stated that the Applicant satisfies the requirements of Rule 2(b) and Rule 5(3) of the AD Rules. It has been correctly held that the Applicant constitutes "domestic industry" within the meaning of Rule 2(b) of AD Rules.
- 82. The Authority has correctly rejected the market economy claims of M/s. CINIC Chemicals Co Ltd., Shanghai the exporter continues to operate under non-market conditions and is not eligible to get market economy status.
- 83. The Authority has rightly determined the dumping margin for all exporters/ producers from China PR and Switzerland.
- 84. The authority has correctly concluded that domestic industry has suffered material injury due to dumped imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

85. Designated Authority has correctly concluded that there is existence of causal link between the dumped imports and injury to the domestic industry. Thus, the Authority has rightly concluded that the domestic industry suffered material injury due to dumped imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

Examination by the Authority

- 86. The various submissions made by the interested parties during the course of the present investigation with regard to the scope of domestic industry & standing particularly the submission that petitioner is a 100% EOU, was examined by the Authority in detail in paras 13-15 of this finding. After due examination, the Authority holds that the applicant satisfies the requirements of Rule 2(b) and Rule 5(3) of the AD Rules and constitutes domestic industry within the meaning of Rule 2(b).
- 87. As regards the submission of M/s. CINIC Chemicals (Shanghai) Co., Ltd for grant of MET status, the Authority notes that the company has not provided any satisfactory comments with substantiated documents on the observations of the Authority concerning the relation between the sister companies and the details of the group company. Further, they have not been able to prove whether various raw materials are at prices comparable with prevailing international market prices. The company has admitted that utilities like water, steam, natural gas and electricity are supplied by the local authorities/government undertakings/joint ventures, therefore, not at market driven prices. Also source of funds of investors and shareholders has not been given. It is observed by the Authority that CINIC Chemicals (Shanghai) Co. Ltd, China PR, is wholly owned subsidiary of ***, which in turn is part of CINIC group, owned by two companies i.e. *** & *** holding *** & *** shares respectively. *** is wholly owned by Mr. *** and *** is wholly owned by Mr. ***. Besides, this *** owns ***., China PR, who is also engaged in the Pigment manufacturing during the POI. CINIC Chemicals (Shanghai) Co. Ltd., China PR and ***, China PR are sister companies. Both the Group Company and the Sister Company have not filed response to the Exporter Questionnaire.
- 88. The Authority notes that in the context of non-market economy situation, the fundamental issue that arises for consideration is the source of funds for the capital so invested, and compatibility of ownership structure with capital investments. The exporter could not establish source of funds for fairly large amount of investments. In view thereof, the Authority holds that CINIC Chemicals (Shanghai) Co. Ltd China PR continues to operate under non-market conditions and is unable to grant market economy status to CINIC Chemicals (Shanghai) Co. Ltd, China PR.
- 89. None of the interested party have suggested and shared data of third country for construction of normal value. In case of China, the most appropriate third country for which data is available is India. Therefore by constructing normal value based on international raw material prices and other costs of domestic industry, the Authority has fulfilled its obligation of determining the Normal value. In view thereof, the contention of the exporter is devoid of merit.
- 90. The Authority has clearly mentioned in the disclosure statement that non-injurious price for the domestic industry has been determined on the basis of principles laid down in the Rules. The NIP was worked out as per the principles outlined in Annexure III of the AD Rules, of which respondent importer is fully aware of. Subsequently the details of the method have also been shared with them. Therefore, the apprehension of the respondent importer that they are not aware of the full facts of methodology is misplaced.

K. CONCLUSION

- 92. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:
- a. The subject goods have been exported to India from the subject countries below its normal value;
- b. The domestic industry has suffered material injury;
- c. The material injury has been caused by the dumped imports of the subject goods from subject countries.
- d. The injury has been caused cumulatively by the imports from the subject countries.

L. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST AND OTHER ISSUES

- 93. The Authority recognizes that imposition of antidumping duties might affect the price level of product in India. However, fair competition in Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantage gained by dumping practices, would arrest the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. Consumers could still maintain two or more sources of supply.
- 94. The Authority notes that the purpose of antidumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

M. RECOMMENDATIONS

95. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted the investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the AD Rules and having established positive dumping margins as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of antidumping duty is required to offset dumping and injury. Therefore, the Authority considers it necessary to recommend imposition of definitive anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder.

96. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the antidumping duty equal to the amount indicated in Col No.9 of the table below is recommended to be imposed on all imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries/territory.

Duty Table									
Sl. No	Tariff Item	Description of Goods	Specification	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount (in USD)	Unit of Measure ment
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	32041739	Diketopyrrolo pyrrole Pigment Red 254 (DPP Red 254)	Any specification	China PR	China PR	CINIC Chemicals Co Ltd., Shanghai	CINIC Chemicals Co Ltd., Shanghai	6.26	KG
2.	32041739	Diketopyrrolo pyrrole Pigment Red 254 (DPP Red 254)	Any specification	China PR	China PR	Any combination other than Sr No.1		7.58	KG
3.	32041739	Diketopyrrolo pyrrole Pigment Red 254 (DPP Red 254)	Any specification	China PR	Any country other than China PR	Any	Any	7.58	KG
4.	32041739	Diketopyrrolo pyrrole Pigment Red 254 (DPP Red 254)	Any specification	Any country other than subject countries	China PR	Any	Any	7.58	KG
5.	32041739	Diketopyrrolo pyrrole Pigment Red 254 (DPP Red 254)	Any specification	Switzerland	Switzerland	Any	Any	3.61	KG
6.	32041739	Diketopyrrolo pyrrole Pigment Red 254 (DPP Red 254)	Any specification	Any country other than subject countries	Switzerland	Any	Any	3.61	KG
7.	32041739	Diketopyrrolo pyrrole Pigment Red 254 (DPP Red 254)	Any specification	Switzerland	Any country other than Switzerland	Any	Any	3.61	KG

^{97.} Landed value of imports for the purpose of this Notification shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and includes all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the said Act.

J. K. DADOO, Designated Authority

^{98.} An appeal against the order of the Central Government arising out of this final finding shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.